राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 22 सितंबर 2024 वर्ष–7,अंक–240 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

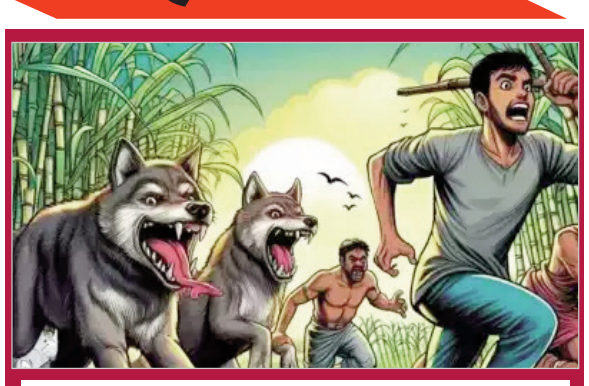

आखिर कौन सा जानवर कर रहा हमला.....भेड़िए, सियार, डॉग या अन्य कोई

वन विभाग इस गुत्थी को सुलझाने में लगा

बहराइच । उत्तर प्रदेश के बहराइच सहित कई जिलों में भेड़िए, तेंदुए, सियार जैसे जंगली जानवरों का आतंक रुक नहीं रहा है। करीब दो माह से वन विभाग इन जानवरों को पकड़ने की कोशिश कर रहा है। विभाग ने अभी तक सिर्फ पांच भेड़ियों को पकड़ा सका है। लेकिन अब गुत्थी भी उलझती जा रही है, कि जितने भी हमले हो रहे हैं, वहां भेड़िए ही कर रहा है या सियार, डॉग या अन्य जानवर कर रहा है। इस गुत्थी सुलझाने के लिए भी वन विभाग जुड़ गया है। विभाग अब हमला किस जानवर ने किया इसका पता लगाने जांच के अन्य तरीके के बाद अब हमला करने वाले वन्यजीव के सलाइवा यानी लार की डीएनए जांच भी करवा रहा है। वन विभाग ने फिलहाल भेड़िए के हमले में मृत एक महिला के शरीर से सैंपल लेकर देहरादून स्थित वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट आफ इंडिया को भेजा है। इसकी रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा कि किस जानवर ने हमला किया है। गौरतलब है कि बहराइच के महसी तहसील अंतर्गत घाघरा नदी के कछार में स्थित 50 गांवों के हजारों नागरिक भेड़ियों के हमलों से दहशत में हैं। पिछली 17 जुलाई से इन जानवरों के हमले में सात बच्चों सहित आठ लोगों की मौत हो चुकी है जबकि करीब 36 लोग भेड़िए अथवा अन्य जानवरों के हमलों से घायल हुए हैं।

पंजाब पुलिस ने 4 ग्लॉक-26 पिस्तौल के साथ दो संदिग्धों को पकड़ा

अमृतसर । पंजाब पुलिस को अमृतसर में एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। प्रदेश के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि एक खुफिया आधारित ऑपरेशन में अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने दो संदिग्धों को पकड़ा है। उनके पास से 4 ग्लॉक-26 पिस्तौल बरामद की गई है। डीजीपी ने लिखा आरोपी पाकिस्तान में मौजूद तस्करों के संपर्क में है, जो ड्रोन और अन्य माध्यमों से हथियारों और ड्रग्स की बड़ी खेप भारतीय क्षेत्र में भेज रहा है। बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज स्थापित करने के लिए जांच चल रही है। वहीं, दूसरी ओर बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने तस्करी का प्रयास को भी असफल किया है। सुरक्षाबलों ने सीमा के पास से 2.8 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई। तरनतारन जिले के डल गांव के पास सीमा सुरक्षा बल और पंजाब पुलिस ने एक बाइक के साथ 2.8 किलोग्राम से अधिक वजन वाली संदिग्ध हेरोइन के पांच पैकेट जब्त किए। जानकारी के अनुसार बीएसएफ के जवान शुक्रवार को तरनतारन जिले के गांव डल के पास एक चौकी पर ड्यूटी पर थे। जब उन्होंने बाइक पर दो लोगों की संदिग्ध हरकत देखी। जैसे ही बीएसएफ जवानों ने उन्हें रुकने का इशारा किया, वे लोग बाइक छोड़कर मौके से भाग गए।

मुंबई में मस्जिद के अवैध निर्माण को तोड़ने को लेकर विवाद, क्षेत्र में तनाव

मुंबई। मुंबई के धारावी में एक मस्जिद के अवैध निर्माण को तोड़ने बीएमसी टीम पहुंची थी लेकिन भीड़ ने हंगामा कर दिया। लोग रास्ते पर बैठकर आंदोलन करने लगे। कार्रवाई करने पहुंची टीम की गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई जिससे इलाके में तनाव फैल गया। हालात को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। धारावी में स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है। पुलिस अधिकारी बीएमसी अधिकारियों के साथ मिलकर मुस्लिम समुदाय के नेताओं से चर्चा कर रहे हैं। दरअसल मुंबई के धारावी के 90 फीट रोड पर 25 साल पुरानी मस्जिद को बीएमसी ने अवैध बताया था और इसे शनिवार को गिराने पहुंचे। बीएमसी के अधिकारियों की कार्रवाई से पहले ही मुस्लिम समाज के लोग रात से ही सड़कों पर आ गए और पूरा रास्ता जाम कर दिया। मुस्लिम समुदाय के लोगों का कहना है कि यह मस्जिद बहुत पुरानी है और इस पर कार्रवाई करना गलत है। मुंबई नॉर्थ सेंट्रल की सांसद प्रो. वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि सीएम एकनाथ शिंदे से मुलाकात की और उन्हें धारावी के महबूब-ए-सुभानिया मस्जिद को मिले बीएमसी के डिमोलिशन नोटिस को लेकर लोगों की भावनाओं से अवगत कराया है। वर्षा ने कहा कि सीएम से सकारात्मक बातचीत हुई है। उन्होंने कहा की वे संबंधित अधिकारियों से बात करेंगे और आश्वासन दिया कि तोड़ने की कार्यवाही पर रोक लगा दी जाएगी।

गुजरात में भी ट्रेन बेपटरी करने की साजिश

गुजरात। गुजरात के सूरत में शुक्रवार रात किम रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक के साथ छेड़छाड़ की गई। कुछ अनजान लोगों ने अप लाइन की पटरी से फिश प्लेट और कीज हटा दी थी। उन्हें उसी पटरी पर रख दिया था। साथ ही रेलवे पटरियों को जोडने वाले 71 ताले भी हटा दिए थे। स्थानीय लोगों से मामले की जानकारी मिलने पर अप स्टेशन सुपरिटेंडेंट ने की-मैन सुभाष कुमार को सतर्क कर दिया। ट्रैक की जांच की गई तो पता चला कि किसी ने ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश रची थी। इसके बाद रूट को बंद कर दिया गया। हालांकि थोड़ी ही देर में नई फिश प्लेट लगने के बाद रेलवे सेवा फिर से शुरू कर दी।

यह चुनाव जम्मू-कश्मीर में तीन परिवारों का शासन खत्म करने वाला चुनाव

शाह बोले- यहां के आका पहले पाकिस्तान से डरते थे, अब वह मोदी से डरता है

श्रीनगर। (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान को लेकर चुनाव प्रचार जोरों पर है। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुंछ ज़िले के मेंढर में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। यहां उन्होंने कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस तथा पीडीपी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि ये चुनाव, जम्मू-कश्मीर में तीन परिवारों का शासन खत्म करने वाला चुनाव है।अमित शाह ने कहा कि 90 के दशक में जम्मू कश्मीर में कितनी गोलीबारी होती थी, याद है न आपको...अब गोलीबारी होती है क्या? पहले यहां गोलीबारी इसलिए होती थी, क्योंकि यहां के आका पाकिस्तान से डरते थे, अब पाकिस्तान पीएम नरेन्द्र मोदी से डरता है। इनकी हिम्मत नहीं है गोलीबारी करने की और अगर इन्होंने गोलीबारी की तो गोली का जवाब गोले से देंगे।शाह ने कहा कि अब्दुल्ला परिवार, मुफ्ती परिवार और नेहरू-गांधी परिवार, इन तीनों परिवारों ने यहां जम्हूरियत को रोक कर रखा था। उन्होंने कहा कि अगर 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार न आती तो पंचायत, ब्लॉक, जिले के चुनाव नहीं होते। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अब्दुल्ला, मुफ्ती और नेहरू-गांधी परिवार ने 90 के दशक से अब तक दशहतगर्दी फैलाई। आज नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से दशहतगर्दी को खत्म कर दिया है। यहां के युवाओं के हाथ में पत्थर की जगह लैपटॉप दिया है।

सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए शाह ने कहा कि मोदी सरकार के आने के बाद ओबीसी, पिछड़ों, गुर्जर बकरवाल और पहाड़ियों को आरक्षण मिला है।

जब मैंने बिल पेश किया, तो फारूक अब्दुल्ला की पार्टी ने विरोध किया और यहां गुर्जर भाइयों को भड़काया जब मैं राजौरी आया था, तब मैंने वादा किया था कि हम गुर्जर भाइयों के आरक्षण को कम नहीं करेंगे और पहाड़ियों को भी आरक्षण देंगे। हमने आपना वादा पूरा किया। कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस ने कहा है कि हम आरक्षण खत्म करेंगे, जबकि हम कह रहे हैं कि हम प्रमोशन में भी गुर्जर बकरवाल और पहाड़ियों को आरक्षण देंगे।

आधुनिक तकनीक अपनाना है, इसके दुष्प्रभाव से भी बचना हैः राष्ट्रपति मुर्मू

रांची। (एजेंसी)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रांची के नामकुम में स्थित राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान (आईसीएआर) के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप शामिल हुई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि झारखंड से उनका विशेष लगाव रहा है और यह भगवान बिरसा मुंडा की धरती मेरे लिए तीर्थ स्थल है। उन्होंने आगे कहा कि झारखंड के राज्यपाल के अपने कार्यकाल के दौरान वह 2017 में इस संस्थान में आ चुकी हैं। हमारे देश के कई राज्यों में लाह का उत्पादन होता है। भारत में लाह का उत्पादन मुख्य रूप से जनजातीय समुदाय द्वारा किया जाता है। इस संस्थान में लाह के साथ-साथ कई उत्पाद किए जा रहे हैं। यह गर्व की बात है कि झारखंड में इसका उत्पादन देश के कुल उत्पादन का 55 फीसदी है। उन्होंने कहा कि एसएजी समूह की बहनें बहुत मेहनती हैं जो कृषि के साथ अन्य उत्पाद से जुड़ी हुई हैं। महिलाएं सब्जी उत्पादन करती हैं, लेकिन उसे फ्रिजिंग करने की जरूरत है ताकि सब्जियां खराब न हो। आज का दौर आधुनिक तकनीक का है इसका इस्तेमाल करना है लेकिन इसके दुष्प्रभाव से भी बचना है। अभी भी अनेक क्षेत्र हैं जहां हम और आगे जा सकते हैं। लाह के उत्पादन, सप्लाई चैन और मार्केटिंग में सुधार किया जाए तो हम लाह की खेती में और आगे बढ़ सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि गांवों में कृषि आधारित भंडारण नीति बनाई जा रही है। अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी हमारी कृषि एवं उत्पाद कैसे आगे बढ़े, इसके लिए काम करने जरूरत है। आज भी हमारे किसानों गरीबी का जीवन जी रहे हैं। इस दिशा में काम करने की जरूरत है। सेकेंडरी कृषि इसका विकल्प हो सकता है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और वे गांव भी नहीं छोड़ेंगे। वेस्टेज वस्तुओं को हम रीसाइकलिंग करके उपयोगी एवं मूल्यवान वस्तुएं बना सकते हैं। एक बदाम के छिलके से कैसे वे लाभान्वित हो सकते हैं इसे भी देखने का मौका मिला है।

खाई में गिरी जवानों से भरी बस, चार शहीद, कांग्रेस अध्यक्ष ने जताया शोक

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में एक बड़ा हादसा हुआ जहां चुनाव ड्यूटी के लिए जा रहे सीमा सुरक्षा बल के जवानों की एक बस खाई में गिरकर दुर्घटना हो गई जिसमें बीएसएफ के चार जवान शहीद हो गए और 28 घायल हो गए। दुर्घटना में बस पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है। इस घटना पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा-जम्मू-कश्मीर के बडगाम में भयानक त्रासदी के बारे में सुनकर बेहद दुख हुआ, जहां चुनाव ड्यूटी के लिए ले जा रही बस के खाई में गिर जाने से चार बीएसएफ जवानों की जान चली गई और करीब 28 घायल हो गए। बहादुरों के परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना। भगवान उन्हें इस अपूरणीय क्षति से उबरने की शक्ति प्रदान करे। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं घायलों के साथ हैं, हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। वहीं घटना पर दुख जताते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक आरआर स्वैन ने कहा कि हम इन समर्पित सैनिकों के नुकसान पर शोक व्यक्त करते हैं, जिन्होंने देश की अथक सेवा की। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं और उन्हें सभी जरुरी सहायता और सहयोग का भरोसा दिलाते हैं। कश्मीर जोन के आईजीपी वीके बिरदी, बीएसएफ के कश्मीर फ्रंटियर के आईजी, कश्मीर के डिवीजनल कमिश्नर, एसएसपी श्रीनगर, एसएसपी बडगाम, डीसी बडगाम और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने अस्पताल का दौरा किया, जहां घायल जवानों का इलाज चल रहा है।

दिल्ली की सबसे कम उम्र की तीसरी महिला सीएम बनी आतिशी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शनिवार को राज निवास में आयोजित कार्यक्रम में आतिशी को सीएम पद की शपथ दिलाई। इसके साथ आतिशी दिल्ली की तीसरी और सबसे कम उम्र की महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। बात दें कि इसके पहले भाजपा नेत्री सुषमा स्वराज और कांग्रेस की शीला दीक्षित बन चुकी हैं दिल्ली की मुख्यमंत्री। आतिशी के साथ विधायक गोपाल राय, सौरभ भारद्वाज, कैलाश गहलोत, इमरान हुसैन और मुकेश अहलावत ने मंत्री पद की शपथ ली। सुल्तानपुर माजरा से विधायक अहलावत पहली बार दिल्ली सरकार में मंत्री बने हैं। जबकि राय, भारद्वाज, गहलोत, हुसैन केजरीवाल सरकार में भी कैबिनेट मंत्री थे। इसके पहले आबकारी नीति से जुड़े मामले में तिहाड़ जेल से जमानत पर रिहा होने के बाद 17 सितंबर को अरविंद केजरीवाल ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद आम आदमी पार्टी विधायक दल की बैठक में आतिशी को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया था।

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम.....

पवित्र प्रसाद की शुद्धता बहाल कर दी गई

कर्नाटक में प्रसाद बनने में इस्तेमाल होगा नंदिनी घी

तिरुपति । (एजेंसी)

आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध तिरुपति मंदिर के 'लड्डू प्रसादम में इस्तेमाल होने वाले घी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इन लड्डुओं में जानवरों की चर्बी की खबर सुनकर देशभर के श्रद्धालु चिंता में पड़ गए हैं। इस बीच अब इस लड्डू विवाद पर तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) का बयान आया है। टीटीडी ने साफ किया कि इस पवित्र प्रसाद की शुद्धता बहाल कर दी गई है।

तिरुमला पर्वत पर स्थित श्री वेंकेटेश्वर स्वामी मंदिर का प्रबंधन करने वाले टीटीडी ने कहा कि श्रीवारी लड्डू की पवित्रता अब बेदाग है। टीटीडी सभी भक्तों की संतुष्टि के लिए लड्डू प्रसादम की पवित्रता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। टीटीडी ने लैब की रिपोर्ट का हवाला देकर कहा कि घी में 'चर्बी' और दूसरी अशुद्धियां पाई गई हैं। टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी जे. श्यामला राव ने कहा कि लैब टेस्ट में नमूनों में पशु वसा और चर्बी पाई गई है। बोर्ड इस 'मिलावटी' घी की सप्लाई करने वाले ठेकेदार को 'ब्लैकलिस्ट' करने की तैयारी में है।

उधर कर्नाटक के मुजराई मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने बताया कि जिन मंदिरों में प्रसाद बनाने के लिए नंदिनी घी का इस्तेमाल नहीं होता है, उन्हें नंदिनी घी का इस्तेमाल करने को कहा जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और अच्छी क्वालिटी का प्रसाद मिल सके। कर्नाटक के मंत्री रेड्डी ने कहा, 'तिरुपति विवाद के बाद कर्नाटक के मंदिरों में दिए जाने वाले प्रसाद को लेकर भी लोगों के मन में संदेह होगा।

किसी भी तरह की आशंका या चिंता को दूर करने के लिए सरकार ने मैसूर के लैब में उनकी जांच कराने का फैसला किया है। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वे अब से केवल नंदिनी घी का ही इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा, 'हम केवल केएमएफ और नंदिनी उत्पादों को ही बढ़ावा देने वाले हैं, और इसलिए हमारे मंदिर भी अब केवल उनके घी का ही इस्तेमाल होगा। मंत्री ने कहा कि देवताओं और भक्तों को चढ़ाए जाने वाले प्रसाद में इस्तेमाल होने वाली चीजों की शुद्धता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

कांग्रेस अपने दलित नेता का सम्मान नहीं कर पाई, तो दूसरों का क्या करेगी

-बीजेपी नेता खट्टर बोले- शैलजा का हुआ अपमान, हम उन्हें साथ लाने को तैयार

नई दिल्ली। (एजेंसी)

हरियाणा में विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टियां तैयारी कर रही हैं। वहीं कई पार्टियों में टिकट तो लेकर भी खींचतान जारी है। वहीं अब कांग्रेस की कुमारी शैलजा को लेकर राजनीति गरमा गई है। बीजेपी ने उन्हें आफर दे दिया है कि वह हमारी में शामिल जाएं। पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर ने एक कार्यक्रम में कहा कि बहन कुमारी शैलजा का कांग्रेस में अपमान हुआ है। कांग्रेस अपनी दलित नेता का सम्मान नहीं कर पाई, तो वह प्रदेश के बाकी दलितों का क्या करेगी। हमने कई नेताओं को अपने साथ मिलाया है और हम तैयार हैं उन्हें भी अपने साथ लाने के लिए।

खट्टर ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और कहा कि कांग्रेस पार्टी की दलित नेता कुमारी शैलजा का अपमान हुआ है उन्हें गालियां तक दी गई हैं और अब वे घर बैठ गई हैं। खट्टर ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा और गांधी परिवार पर आरोप लगाते हुए कहा कि इस अपमान के बावजूद उन्हें शर्म नहीं आई है। आज एक बड़ा वर्ग सोच रहा है कि क्या करें।

मनोहरलाल खट्टर की इस टिप्पणी ने हरियाणा की चुनावी राजनीति में उबाल ला दिया है, खासकर तब जब शैलजा पिछले हफ्ते से पार्टी के प्रचार से दूर हैं। हालाँकि वे अपने घर पर समर्थकों से मिल रही हैं, लेकिन क्षेत्र में सक्रिय नहीं हैं। दलित वोट बैंक की राजनीति करने वाली पार्टियां भी शैलजा को अपने पाले में लाने की कोशिश में जुटी हैं। 13 सितंबर को शैलजा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इसके बाद से न ही वे हरियाणा के प्रचार अभियान में शामिल हुई हैं और न ही सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। इस बीच, बीजेपी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा है कि जब कांग्रेस अपनी दलित नेता का सम्मान नहीं कर पाई, तो वह प्रदेश के बाकी दलितों का क्या करेगी। शैलजा की नाराजगी ने हरियाणा की राजनीति में हलचल मचा दी है। हाल ही में, बीएसपी के नेशनल कॉर्डिनेटर आकाश आनंद ने भी शैलजा के बहाने कांग्रेस पर निशाना साधा, जिससे यह मुद्दा और गरमा गया। 19 सितंबर को बसपा के राष्ट्रीय संयोजक और बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने हरियाणा में अपनी पहली चुनावी जनसभा को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जैसे नेता आरक्षण खत्म करना चाहते हैं। आप सब जान लीजिए कि संविधान हमारी पहचान है और आरक्षण को हम खत्म नहीं होने देंगे। उन्होंने कांग्रेस नेता कुमारी शैलजा का भी जिक्र किया और कहा कि हुड्डा के समर्थकों ने शैलजा के बारे में कितनी बुरी बातें कही हैं। वह एक बड़ी दलित नेता हैं। हम उनका सम्मान करते हैं।

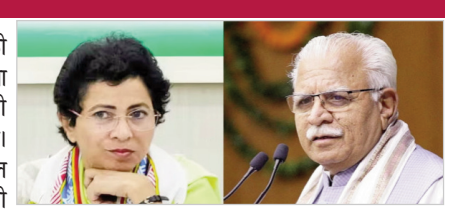

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेवाओं की पेशेवराना दक्षता का क्षरण

एक सुसंचालित और सुघड़ नेतृत्व वाला पुलिस स्टेशन वह होता है जिसके पास सर्वश्रेष्ठ मुखबिर तंत्र हो और यह सूचना एवं बढ़िया अभियान नीति होती है, जो सफलता दिलवाती है। हमने जम्मू-कश्मीर, पंजाब और उत्तर-पूर्व में आतंक व मध्य भारत, ओडिशा एवं आंध्र प्रदेश में माओवादी आंदोलनों में भी यही देखा है कि अभियान चलाने में सूचना सबसे सटीक वही होती है, जो पुलिस थाने से आती है। यही कारण है कि सेना सहित तमाम अभियान समूहों में स्थानीय पुलिस थाना एक महत्वपूर्ण घटक होता है। अपराध सामान्य हो या जटिल या फिर विद्रोही गतिविधियां, तमाम अभियानों में सफलता तभी मिलती है जब पुलिस के काम की धुरी यानी थाना पूरे जी-जान से शामिल रहे।

गुरबचन जगत

(मणिपुर के पूर्व राज्यपाल, पूर्व डीजीपी जम्मू व कश्मीर)

कुछ हफ़्ते पहले, सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता बलात्कार-हत्या मामले का संज्ञान लेते हुए इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी। यह बलात्कार और हत्या कांड इतना घिनौना था कि पूरे देश को झकझोर दिया। स्वतःस्फूर्त गुस्से और पीड़ा की भावना की अभिव्यक्ति -हिंसक और अहिंसक- दोनों किस्म के प्रदर्शनों के रूप में हुई, खास तौर पर डॉक्टरों के समुदाय में, जिन्होंने देश भर में हड़तालें की। सीबीआई से जिस त्वरित परिणाम की अपेक्षा थी, वह पूरी नहीं हुई। इस हस्तक्षेप के बाद भी, पूरे देश में बलात्कार और हत्या जैसी अन्य कई जघन्य वारदातें हुईं, लेकिन अदालतों या अन्य सामाजिक समूहों ने उन पर उतना ध्यान नहीं दिया। पहले के मामलों में भी, सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बावजूद ऐसे हिंसक बलात्कार और अन्य अपराध रुके नहीं और इस वाले से भी इनके रुकने की संभावना नहीं है। हालांकि, यह मामला सीबीआई को सौंपना पूरी तरह से उचित था, परंतु मेरे ज़ेहन में एक अलग विचार कौंध रहा है- क्योंकर सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालयों ने राज्य पुलिस बलों की व्यावसायिकता और ईमानदारी पर भरोसा खो दिया? नागरिकों का राज्य पुलिस और पुलिस थानों पर से यकीन क्यों उठ गया? यहां तक कि राज्य सरकारों और निचली अदालतों से भी? क्या यह सब रातों-रात हुआ या धीरे-धीरे इसलिए बढ़ता गया क्योंकि अब राजनेता सर्व-शक्तिमान होते जा रहे हैं और वे पुलिस बल एवं सरकार के अंदर और बाहर बैठे आपराधिक तत्वों की मदद से यह सारा खेल चला रहे हैं। इतिहास पर नज़र डालें तो, उस वक्त भ्रष्टाचार के केवल अति महत्वपूर्ण मामले ही अदालतों या राज्य अथवा केंद्र सरकारों द्वारा सीबीआई को सौंपे जाते थे। सूबों के अधिकारी मामलों के ऐसे हस्तांतरण पर तौहीन महसूस करते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि इससे उनकी कारगुजारी पर अंगुली उठती है। सीबीआई को अच्छे परिणाम भी मिले, क्योंकि एक तो इस पर काम का बहुत ज्यादा बोझ नहीं था, दूसरे इसकी शुरुआत केवल उच्च स्तर पर होने वाले भ्रष्टाचार की जांच करने वाली एक विशिष्ट एजेंसी के रूप में हुई थी। किंतु राजनीतिक भुजा के लगातार मजबूत होते जाने और इससे जुड़े नैतिक पतन, एवं ईमानदारी में कमी होते देख लोगों ने मामले सीबीआई को सौंपने की मांग के साथ सीधे अदालतों का रुख करना शुरू कर दिया। राज्य और केंद्र सरकारें भी अपने-अपने वांछित परिणाम पाने को इसी राह का सहारा लेने लगीं, क्योंकि जब राजनीतिक निकाय का समग्र पतन हुआ तो सीबीआई भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई। अधिकारियों को विशेष रूप से नियुक्त किया गया ताकि तंत्र को और अधिक लचीला बनाया जा सके। सीबीआई ने भी विस्तार किया और अधिकांश राज्यों में शाखाएं खोलीं। हालांकि, इसने केंद्र सरकार की इच्छाशक्ति को और हवा दी और एक नई तफ्तीश संस्था के रूप में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का जन्म हुआ, काम इसका भी जांच करना है लेकिन अधिक ध्यान उन आतंकी गतिविधियों पर केंद्रित है, जिनका प्रभाव-क्षेत्र अंतर्राज्यीय हो। यहां भी, केंद्र सरकार की मनमर्जी है कि कौन सा मामला इसे सौंपना है। गृह मंत्रालय (एमएचए) की ओर से लगातार बयान आते रहते हैं कि सभी राज्यों में एनआईए कार्यालय खोले जाएंगे। हमारे पास पहले से ही नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और राष्ट्रव्यापी जांच क्षेत्र के अधिकार से सशक्त बनाई गई ईडी है,इनके अलावा आईबी और रॉ भी हैं। हमारे पास अर्धसैनिक बल भी हैं,उनका कार्यक्षेत्र भी अखिल भारतीय है। कानून-व्यवस्था के मामले जिनसे निबटना राज्य पुलिस बलों के बूते के परे माना जाता है,उनके लिए अर्धसैनिक बल बने हैं। जरूरत पड़ने पर राज्य सरकारें इन बलों की मांग गृह मंत्रालय से कर सकती हैं या गृह मंत्रालय राज्य सरकार की नाममात्र मंजूरी के साथ उन्हें सीधे राज्य में भेज सकता है। सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, बीएसएफ, एसएसबी, आईटीबीपी आदि अनेक राज्यों में कई दशकों से लगातार तैनात हैं। कागज़ों पर वे राज्य पुलिस के अधीन काम करते हैं, लेकिन रोजमर्रा के कार्यों में स्वतंत्र हैं। तब फिर राज्य सरकार और इस तथ्य के बारे में क्या रह जाता है, जब कहा जाए कि संविधान के अनुसार कानून एवं व्यवस्था राज्य सरकारों का विषय है? पुलिस स्टेशन और जिले का एसपी पुलिस तंत्र के बुनियादी भाग होते हैं। लेकिन अतिरिक्त विभागीय हस्तक्षेपों ने दोनों को सत्तारूढ़ पार्टी का अनुचर बना डाला है। इस ह्रास की कीमत राज्य पुलिस की व्यावसायिकता ने चुकाई है, इस गिरावट का विशेष रूप से असर अग्रणी स्तर पर यानि पुलिस स्टेशन और जिला एसपी पर हुआ है। यह दो जगहें ऐसी हैं,जहां पुलिस एवं जनता के बीच सीधा राब्ता होता है, लेकिन इस सम्पर्क में बहुत कुछ करने की जरूरत है। यह वह राब्ता नहीं है जिसमें नागरिक इस विश्वास के साथ वहां जाए कि उसे न्याय मिलेगा, बल्कि वह एक ग्राहक या याचक के रूप में जाता है।

एक सुसंचालित और सुघड़ नेतृत्व वाला पुलिस स्टेशन वह होता है जिसके पास सर्वश्रेष्ठ मुखबिर तंत्र हो और यह सूचना एवं बढ़िया अभियान नीति होती है, जो सफलता दिलवाती है। हमने जम्मू-कश्मीर, पंजाब और उत्तर-पूर्व में आतंक व मध्य भारत, ओडिशा एवं आंध्र प्रदेश में माओवादी आंदोलनों में भी यही देखा है कि अभियान चलाने में सूचना सबसे सटीक वही होती है, जो पुलिस थाने से आती है। यही कारण है कि सेना सहित तमाम अभियान समूहों में स्थानीय पुलिस थाना एक महत्वपूर्ण घटक होता है। अपराध सामान्य हो या जटिल या फिर विद्रोही गतिविधियां, तमाम अभियानों में सफलता तभी मिलती है जब पुलिस के काम की धुरी यानी थाना पूरे जी-जान से शामिल रहे। अगर यह सही है तो फिर इसे कमजोर क्यों किया जा रहा है? कारण यह है कि वक्त की हुकूमत चाहती है कि पुलिस बल देश के कानून की बजाय उनके प्रति एक रीढ़ विहिनऔर वफादार बल बना रहे। केंद्र सरकार ने नाना प्रकार की जांच एजेंसियों की स्थापना करके और कौन सा मामला किसे सौंपना है, इसमें अपनी मनमर्जी चलाकर राज्य की जांच एजेंसियों को कमजोर कर डाला है। वहीं राज्य सरकारों ने भी पुलिस विभाग के आंतरिक प्रशासन में सीधे हस्तक्षेप करके और शीर्ष पदों पर अवांछनीय तत्वों को नियुक्त करके बहुत नुकसान पहुंचाया है। पुलिस थानों पर लगभग पूरी तरह इन शक्तियों का कब्ज़ा हो गया है। ऐसा कहने का मतलब हर्गिज़ यह

नहीं कि आज़ादी के समय की तुलना में कहीं ज्यादा जनसंख्या वाले आधुनिक भारत की बढ़ती ज़रूरतों के मुताबिक बेहतर और ज्यादा पेशेवर विशेष बलों की ज़रूरत नहीं है, मसलन साइबर अपराध। लेकिन मुख्य चीज़ है ऐसी पेशेवर एजेंसियों की स्थापना, जिनमें राजनीतिक दखलअंदाज़ी न्यूनतम हो और राज्य एवं केंद्र के बीच समन्वय उच्च मानकों के स्तर पर बना रहे। पुलिस सुधार हो या अपराध की जांच या कानून-व्यवस्था बनाए रखना,इनसे संबंधित तमाम मामलों में जो एक सबसे बड़ी अड़चन है, वह है राजनीतिक प्रतिष्ठान। जब तक इस समस्या के निदान और पुलिस के कामकाज के आंतरिक प्रशासन में हस्तक्षेप को समाप्त करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं बनती,तब तक स्थितियां और बदतर होती जाएंगी। यहां तक कि पुलिस सुधारों के बारे में उच्चतर न्यायपालिका के आदेश भी नौकरशाही की कागज़ी कलाबाज़ी में गुम हो गए हैं। हमारी शासन प्रणाली में सर्वोच्च शक्ति निर्वाचित राजनीतिक दल के पास है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उक्त शक्ति बेलगाम है, क्योंकि संविधान और देश के विभिन्न कानूनों में प्रशासन चलाने के लिए विशिष्ट दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सत्तारूढ़ दल जनता द्वारा चुने जाते हैं और जनता शांति एवं न्यायपूर्ण प्रशासन चाहती है। क्या सुधारों और न्याय पाने के लिए लोगों को सड़कों पर उतरना पड़ेगा? उम्मीद है कि निर्वाचित सरकारें सड़कों से मिल रहे संदेश को समझगी।

संपादकीय

विस्फोटक पेजर

मंगलवार को लेबनान व सीरिया में एक साथ हुए पेजर धमाकों ने इन देशों को ही नहीं, पूरी दुनिया को चौंकाया। लोगों को समझने में देर लगी आजकल उन्नत मोबाइल फोनों के दौर में पेजर का इस्तेमाल? दरअसल, तकनीकी तौर पर बेहद उन्नत इस्राइली फौज व दुनिया में तहलका मचाने वाली खुफिया एजेंसी मोसाद मोबाइल के जरिये अपने कट्टर दुश्मनों को निशाना बनाते रहे हैं। इसी वजह से ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के लड़ाके अपनी स्थिति गोपनीय रखने के मकसद से पेजरों का इस्तेमाल सूचना संकेतों के लिये करते रहे हैं। बहरहाल पेजर धमाकों की श्रृंखला में लेबनान में नौ लोगों के मरने व पौने तीन हजार लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है। लेकिन वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है। वहीं सीरिया में पेजर धमाकों की श्रृंखला देखी गई। बहरहाल, हालिया घटनाक्रम इस्राइल-हिजबुल्लाह संघर्ष के चिंताजनक स्थिति में पहुंचने का संकेत देता है। युद्ध में इस तरह की रणनीति का पहली बार दुनिया के सामने खुलासा हुआ है, जिसमें अपने विरोधी देश के संचार उपकरणों को निशाना बनाकर हमला किया गया हो। जो इस क्षेत्र में लंबे समय से जारी संघर्ष में परिष्कृत नई रणनीति को ही दर्शाता है। वहीं हिजबुल्लाह की सुरक्षा परत की कमजोरियों को भी उजागर करता है। निस्संदेह, हिजबुल्लाह ईरान समर्थित लेबनान की एक प्रमुख ताकत है, जो उन्नत इस्राइली ट्रैकिंग सिस्टम से बचने के लिये अपेक्षाकृत कम उन्नत तकनीक वाले उपकरण पेजर पर निर्भर रहा है। यही वजह है कि हिजबुल्लाह लड़ाकों, चिकित्सकों तथा नागरिकों द्वारा प्रयोग किये जाने वाले पेजर बेरूत के दक्षिणी उपनगरों व बेका घाटी सहित लेबनान के कई गढ़ों में एक साथ फट गए। अस्पताल की तरफ भागती सैकड़ों एंबुलेंसों से पूरे लेबनान में भय व असुरक्षा का माहौल बन गया। यहां तक कि सीरिया के कुछ हिस्सों में भी धमाकों की गूंज सुनायी दी, वहां भी हिजबुल्लाह के लड़ाके इससे प्रभावित हुए। बहरहाल, लेबनान व सीरिया में पेजर धमाकों की श्रृंखला पूरी दुनिया को कई सबक देती है कि संकटकाल में अपने संचार नेटवर्क को बाहरी हस्तक्षेप से बचाने के लिये बहुत कुछ किया जाना जरूरी है। विज्ञान व तकनीकी उन्नति ने युद्धों का पूरा स्वरूप ही बदल दिया है। परंपरागत सेना व सुरक्षा की सारी अभेद्य दीवारें तकनीक के हमलों के आगे बेकार साबित हो रही हैं। बहरहाल, इन हमलों के लिये, इस्राइली खुफिया एजेंसी पर साजिश करने के आरोप लग रहे हैं। हालांकि, इस्राइल ने इन धमाकों को लेकर कोई दावा नहीं किया है, लेकिन रिपोर्टें बता रही हैं कि निर्माण प्रक्रिया के दौरान पेजर से छेड़छाड़ करके उन्हें धमाकों के मकसद से ज्वलनशील बनाया गया है। जो एक बड़े सुनियोजित ऑपरेशन की ओर संकेत करता है। जिसमें दूर से सुनियोजित तरीके से विस्फोटों को अंजाम दिया गया। इस्राइल ने इन धमाकों के जरिये हिजबुल्लाह को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि भले ही वह गाजा संघर्ष में उलझा हुआ है, इसके बावजूद वह दूसरे मोर्चे पर हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाने की क्षमता रखता है। बहरहाल, यह घटना बताती है कि इस्राइल पर बीते साल हमास द्वारा किए गए हमले व अपहरण की वारदातों के बाद शुरू हुए टकराव का विस्तार होने की आशंका बलवती हुई है। इस्राइल इस समय न केवल हमास बल्कि हिजबुल्लाह व हूती विद्रोहियों के हमलों का एकसाथ जवाब दे रहा है। लेकिन इस्राइल की सीमा से लगते लेबनान में ईरान द्वारा दी गई उन्नत मिसाइलों व राकेटों के लगातार हो रहे हमलों के बीच इस टकराव के विस्तार लेने की आशंका बढ़ गई है।

नेहरू की राह- मोदी का नया राजनीतिक दांव: एक देश एक चुनाव?

भारत में आजादी के बाद पहले चार आम चुनाव 1951-52 से 57, 1962 से 67 और 1971 के दौरान देश के मतदाताओं ने लोकसभा चुनाव के साथ अपने राज्यों की विधानसभाओं के लिए भी वोट डाले थे, बाद में नए राज्य बनने और कुछ राज्यों के पुनर्गठन के बाद यह प्रक्रिया बंद हो गई। 1968 में कुछ राज्यों की विधानसभाओं को भंग किया गया इससे लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी, 1983 में चुनाव आयोग ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव कराने की व्यवस्था फिर से शुरू करने का सुझाव दिया था।

(लेखक- ओमप्रकाश मेहता)

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के 17 वर्षीय कार्यकाल से अपने प्रधानमंत्री काल को बेहतर सिद्ध करने की तमन्ना रखने वाले हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी ने जवाहरलाल की ही 6 दशक पुरानी रणनीति एक देश एक चुनाव को अपनाने का फैसला लिया है, आजादी के बाद के दो आम चुनाव नेहरू जी की इसी नीति पर आधारित थे, जो सफलतापूर्वक संपन्न हुए थे, जिससे नेहरू की कीर्ति में अभिवृद्धि हुई थी, अब नरेंद्र भाई मोदी की सरकार ने भी इसी नीति को अपनाने का फैसला लिया है और इसे लागू करने की संवैधानिक औपचारिकताओं के बाद इसे 5 साल बाद अर्थात 2029 में चुनावों के समय अमल में लाया जाएगा, इस नीति के तहत संसद (लोकसभा) और देश की सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होंगे तथा संसद विधानसभाओं के चुनावों के 100 दिन बाद देश की सभी स्थानीय निकायों के चुनाव होंगे। इस घोषणा के साथ सरकार ने दावा किया है कि इस प्रयास से न सिर्फ देश में चुनाव पर होने वाले अरबो रुपए के खर्चे में कटौती होगी साथ ही समय की भी बचत होगी तथा फिर सरकारी और स्थानीय संस्थाएं बिना किसी तरह के अवरोध या विघ्न के जनहित के कार्य कर सकेगी। वैसे मोदी जी की यह सोच कोई नई नहीं है भारत में आजादी के बाद पहले चार आम चुनाव 1951-52 से 57, 1962 से 67 और 1971 के दौरान देश के मतदाताओं ने लोकसभा चुनाव के साथ अपने राज्यों की विधानसभाओं के लिए भी वोट डाले थे, बाद में नए राज्य बनने और कुछ राज्यों के पुनर्गठन के बाद यह प्रक्रिया बंद हो गई। 1968 में कुछ राज्यों की विधानसभाओं को भंग किया गया इससे लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी, 1983 में चुनाव आयोग ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव कराने की व्यवस्था फिर से शुरू करने का सुझाव दिया था। 1999 में विधि आयोग की रिपोर्ट में भी एक देश एक चुनाव का उल्लेख किया गया था, 2018 में विधि आयोग ने दोबारा एक देश एक चुनाव का समर्थन किया, बाद में मोदी सरकार ने इस मसले पर विस्तृत विचार कर अपनी सिफारिशें देने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था, जिसने पिछले मार्च माह में अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति जी को सौपी और उसी की सिफारिशों पर करीब 6 महीने विचार विमर्श के बाद मोदी सरकार ने स्कवीकार कर पूरे देश में संसद व विधान मंडलों के चुनाव एक साथ कराने का फैसला लिया तथा इन चुनावों के 100 दिन बाद पूरे देश की स्थानीय संस्थाओं के चुनाव कराने की घोषणा की, सरकार ने यह महत्वपूर्ण घोषणा तो कर दी किंतु संविधान के अनुसार इस फैसले को सरकार इससे संबंधित संविधान में संशोधन के बिना लागू नहीं कर सकती, इसलिए सरकार ने अब संसद के अगले शीतकालीन सत्र में संबंधित संविधान संशोधन करवा कर इसे लागू करने का फैसला लिया। किंतु इसके लिए देश के सभी राजनीतिक दलों की सर्वसम्मति जरूरी होगी, फिलहाल देश में 62 राजनीतिक दल हैं जिनमें से 13 ने इस प्रस्ताव को मंजूर नहीं किया है तथा 13 ने हीं इस पर मौन धारण कर रखा है, शेष 32 राजनीतिक दलों ने केंद्र के इस प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की है सरकार के प्रयास है कि शीतकालीन सत्र के पहले रूठे हुए दलों को मना लिया जाए तथा सर्वसम्मति से इसे संसद से मंजूरी दिलाई जाए, इस दिशा में प्रयास जारी है।

वैसे मुख्य प्रतिपक्षी दल कांग्रेस ने सरकार के इस प्रस्ताव को भारतीय संविधान के खिलाफ मानकर इसका विरोध शुरू कर दिया है, कुछ अन्य प्रतिपक्षी दलों की भी यही मानता है, इसलिए मौजूदा स्थिति में तो सर्व समिति से प्रस्ताव पारित होना मुश्किल प्रतीत हो रहा है, किंतु अभी शीतकालीन सत्र में कुछ समय बाकी है, इसी दौरान यदि सरकार विरोधियों को मना लेती है तो शीतकालीन सत्र में संविधान संशोधन की प्रक्रिया पूरी हो सकती है और इसे कानूनी रूप से अगले आम चुनाव 2029 से लागू किया जा सकेगा, वैसे फिलहाल इसकी अंतिम मंजिल काफी दूर है।

(चिंतन-मनन)

ध्वनि का प्राणी शरीर पर प्रभाव

यह जानकर खुश होगें की ध्वनि का प्रभाव प्रत्येक जीव के शरीर पर पड़ता है। वर्तमान औधोगिकी करण और तकनीकि से ध्वनि प्रदूषण अधिक मात्रा में बढ़ रहा है। इस ध्वनि प्रदूषण के परिणाम देखते हुये नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. राबर्ट कॉक ने सन् 1925-26 में एक बात कही थी एक दिन ऐसा आयेगा, जब पूरे विश्व में स्वस्थ्य का सबसे बड़ा शत्रु ध्वनि प्रदूषण होगा। यह ध्वनि प्रदुषण दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। मानव का मन, मस्तिष्क और शरीर बहुत संवेदन शील हैं। यह ध्वनि तरगों के प्रति भी बेहद संवेदन शील है। जैसे जब कोई संगीत सहित, गीत गाता है,या वाद्य बजाता है तो मन अपने आप उस पर केन्द्रित हो जाता है उसे सुनते ही अंग-अंग थिरकने लगता है, मन प्रसन्नता से भर जाता है, शरीर में आनंद की लहर छा जाती है। इसके विपरीत कानो को अप्रिय लगने वाली तेज ध्वनि सुनाई देती है तब मानव को शारीरिक और मानसिक दोनो तरह की परेशानी होती है। जिससे व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है एवं स्वस्थ्य खराब हो जाता है। वह बहरा और पागल भी हो सकता है। डेसी बल ध्वनि की तीब्रता नापने की इकाई है। इसका अविष्कार 'ग्राहमबेल' बैज्ञानिक ने किया था। आधुनिक वैज्ञानिकों का कहना है कि 150 डेसीबल की ध्वनि बहरा भी बना सकती है। 160 डेसीबल की ध्वनि त्वचा जला देती है। 180 डेसीबल की ध्वनि मौत की नींद सुला सकती है। 120 डेसीबल की ध्वनि ह्रदयगति बढ़ना प्रारंभ हो जाती है। जिससे ह्रदय रोग एवं उच्च रक्त चाप की बीमारी जन्म लेती है। हर मानव को 60 डेसीबल तक की ध्वनि वाले वातावरण में रहना चाहिए प्रदूषण की श्रेणी में 75 डेसीबल से अधिक की ध्वनि शोर आता है। ध्वनि प्रदुषण से आंखों की पुतली का मध्य छिद्र फैल जाता है, आमाशय और ऑतों पर घातक प्रभाव से पाचन क्रिया बिगड़ जाती है। इससे शरीर की प्रति रोधी क्षमता घट जाती है, ग्रनथियों से हार्मोन्स का श्राव अनियमित हो जाता है, स्नायु खिच जाते है, शरीर में थकान, मानसि तनाव, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा, स्मरण शक्ति कमजोर हो जाती अत- हमें तेज ध्वनि से बचना चाहिए।

विचार मंथन

चुनाव की जीत बेगुनाही का सबूत नहीं

(लेखक-सनत कुमार जैन)

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी पर लगे, दिल्ली शराब घोटाले के आरोपों और उनके इस्तीफे ने राजनीतिक गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिये हैं। केजरीवाल आरोपों को एक राजनीतिक साजिश का हिस्सा बता रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा होने पर उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। जिस तरह से जमानत की शर्तें कोर्ट ने लगाई थी। उन शर्तों के कारण वह मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए भी कोई भी निर्णय करने की स्थिति में नहीं थे। नाही वह मुख्यमंत्री सचिवालय में जा पाते। इस स्थिति को देखते हुए, उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर जनता के बीच जाने का फैसला किया है। दिल्ली विधानसभा के चुनाव में यदि उन्हें बहुमत से जीत हासिल हो जाती है। तो उनका कहना है कि जनता की न्यायालय ने उन्हें ईमानदार माना है। वह जनता की अदालत से निर्दोष साबित होकर बाहर निकलेंगे। जिस तरह से चुनावी जीत को आरोपों से निर्दोष होने की बात उन्होंने कही है। इसे किस रूप में देखा जाए इसको लेकर अब राजनीतिक हल्कों में एक नई बहस छिड़ गई है। केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद, नोटबंदी के फैसले को चुनावी जीत से जोड़ा था। पिछले 10 वर्षों में केंद्र सरकार ने जनता के समर्थन को सबसे ऊपर रखते हुए, बार-बार कहा है। जनता ने उन्हें समर्थन दिया है। उनकी नीतियों को सही माना है। एक तरह से चुनावी जीत को केंद्र सरकार ने अपनी नीतियों की जीत बताया है। भाजपा की केंद्र सरकार और राज्यों की भाजपा सरकार बहुमत के आधार पर अपने हर निर्णय को चुनावी जीत से जोड़कर उसे बेगुनाही का सबूत बताती हैं। चुनावी जीत से किसी भी आरोप को समाप्त नहीं माना जा सकता है। चुनावी जीत का जनता के समर्थन का जुड़ाव हो सकता है। लेकिन चुनाव की जीत न्याय और अदालत के फैसले का विकल्प नहीं हो सकती है। नेता,चाहे वह कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो, कानूनी प्रक्रिया से उसे गुजरना ही पड़ेगा। न्यायालय को ही यह अधिकार है, कानून के दायरे में रहते हुए अपने अधिकारों का प्रयोग किया है, या नहीं किया है। कानून के अनुसार अपराध निर्दोष होने का अंतिम फैसला न्यायालय का ही हो सकता है। 1975 में आपातकाल लगाया गया था। आज तक कांग्रेस को आपातकाल का दंस झेलना पड़ रहा है। जबकि लोकसभा और राज्यसभा में आपातकाल को लेकर बिल पास हुआ था। उसके बाद भी कांग्रेस यह कहकर आज भी नहीं बच पाती है, कि संसद ने आपातकाल का बिल पास किया था। निर्वाचित सरकारें बहुमत के आधार पर बहुत सारे निर्णय लेती हैं। जो समय-समय पर गलत भी साबित होते हैं। नोटबंदी के मामले में आज भी विपक्षी दल केंद्र सरकार पर हमलावर होते हैं। नोटबंदी का निर्णय सही था, या गलत यह तो समय बताएगा। नोटबंदी के मामले में यदि कोई गड़बड़ी हुई है, तो उसकी जिम्मेदारी, जिसने गड़बड़ी की है उसी के ऊपर आएगी, वह हमेशा न्यायिक समीक्षा के अधीन रहेगी। इलेक्ट्रॉल बांड वाले मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उसे असवैधानिक बताकर निरस्त किया है। इलेक्ट्रोल बांड के जरिए कोई आर्थिक गड़बड़ी हुई है, तो उसके लिए संबंधित व्यक्ति, पार्टी अथवा जो भी जिम्मेदार होगा। वह न्यायिक समीक्षा के अधीन हमेशा रहेगा। इस मामले का फैसला जब भी करेगी, न्यायपालिका ही करेगी। कोई भी राजनीतिक दल या राजनेता यह कहकर नहीं बच सकता है, कि उसने चुनाव जीत लिया है। इसलिए उसके खिलाफ सारे आरोप खत्म हो गए हैं। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भले दिल्ली विधानसभा का चुनाव जीत जाएं। न्यायपालिका से ही वह दोषी या निर्दोष साबित होंगे। पिछले एक दशक में जिस तरह से

राजनीतिज्ञ अपने-अपने अनुकूल व्याख्या, राजनीतिक दल और राजनेता करने लगे हैं। उनका कोई ओर छोर नहीं है। अरविंद केजरीवाल जिस तरह से अपने आप को ईमानदार साबित करने की कोशिश कर रहे हैं। वह एक राजनीतिक प्रयास जरूर हो सकता है। संविधान के अनुसार उन्हें क्लीन चिट न्यायपालिका से ही लेनी पड़ेगी। न्यायपालिका यदि उन्हें क्लीन चिट देगी, तभी वह शराब घोटाले के आरोपों से मुक्त हो पाएंगे यही सत्य है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आरटीआईः सेबी ने बुच के बारे में जानकारी देने से किया इनकार

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत जानकारी मांगे जाने पर कहा कि हितों के संभावित टकराव के कारण सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच के मामलों से खुद को अलग कर लेने के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है और उन्हें जुटाने पर उसे अपने संसाधनों का अपव्यय करना होगा। पारदर्शिता के लिए काम कर रहे कमोडोर लोकेश बत्रा (सेवानिवृत्त) की तरफ से दाखिल एक आरटीआई आवेदन के जवाब में सेबी ने कहा कि अपने और परिजनों के पास मौजूद वित्तीय परिसंपत्तियों और इक्विटी के बारे में बुच की

तरफ से सरकार और सेबी बोर्ड को की गई घोषणाओं की प्रतियां नहीं दी जा सकती हैं। सेबी ने इस ब्योरे को व्यक्तिगत जानकारी बताते हुए कहा कि उनके खुलासे से व्यक्तिगत सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इसके साथ ही सेबी ने उन तारीखों की जानकारी देने से भी इनकार कर दिया जब ये खुलासे किए गए थे। सेबी के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) ने उन घोषणाओं की प्रति देने से इनकार करने के लिए व्यक्तिगत जानकारी और सुरक्षा को आधार बनाया है। आरटीआई आवेदन के जवाब में सेबी ने कहा कि मांगी गई जानकारी आपसे संबंधित नहीं है और यह व्यक्तिगत जानकारी से संबंधित है। इसके खुलासे का किसी सार्वजनिक गतिविधि या हित से कोई संबंध नहीं है। यह व्यक्ति की निजता में अनुचित हस्तक्षेप का कारण बन सकता है और व्यक्ति के जीवन या शारीरिक सुरक्षा को भी खतरे में डाल सकता है।

अडानी टोटल गैस ने कारोबार बढाने 37.5 करोड़ डॉलर वित्त हासिल किया

नई दिल्ली । अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) ने अपने कारोबार बढ़ाने और शहरी गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क के विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय कर्जदाताओं से 37.5 करोड़ डॉलर का वित्तपोषण हासिल किया है। कंपनी के अनुसार इस वित्तपोषण में 31.5 करोड़ डॉलर की प्रारंभिक प्रतिबद्धता शामिल है, जिसे बाद में बढ़ाया जा सकता है। इस वित्तपोषण में बीएनपी पारिबा, डीबीएस बैंक, मिजुहो बैंक, एमयूएफजी बैंक, और सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन जैसे पांच प्रमुख अंतरराष्ट्रीय ऋणदाताओं ने भाग लिया। एटीजीएल, जो अदाणी समूह और फ्रांस की ऊर्जा कंपनी टोटलएनर्जीज का संयुक्त उद्यम है, ने कहा कि इस वित्तपोषण से कंपनी को अपने 13 राज्यों में स्थित 34 अधिकृत भौगोलिक क्षेत्रों (जीए) में शहरी गैस वितरण नेटवर्क का तेजी से विस्तार करने में मदद मिलेगी। यह वित्तीय समर्थन एटीजीएल के पूंजीगत व्यय कार्यक्रम को भी आगे बढ़ाएगा, जिससे कंपनी की वृद्धि को गति मिलेगी। एटीजीएल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह वित्तपोषण ढांचा न केवल कंपनी की लगातार वृद्धि को बढ़ावा देगा, बल्कि भविष्य के वित्तपोषण के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा, जिससे दीर्घकालिक मूल्य सृजन सुनिश्चित हो सकेगा।

हवाई टिकट के भाव बढ़े, दीवाली पर यात्रियों को देना होगा ज्यादा किराया

मुंबई । दीवाली के आसपास फ्लाइट टिकट तेजी से महंगे होते जा रहे हैं। एयरलाइन्स की बुकिंग में भी लगभग दोगुना उछाल आया है। एक रिपोर्ट में दी गई जानकारी के अनुसार दीवाली की फ्लाइट बुकिंग्स में करीब 85 फीसदी की तेजी आई है। लोग औसतन 27 दिन पहले ही अपना टिकट बुक कर ले रहे हैं। किराया भी लगभग 15 फीसदी बढ़ चुका है। पिछले साल हवाई किराया दीवाली से एक हफ्ते पहले तक दोगुना हो चुका है। ऐसे आशंका जताई जा रही है कि इस साल भी किराया तेजी से उछाल मारेगा। एयरलाइन्स को सबसे ज्यादा बुकिंग दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, गुवाहाटी, जयपुर, चेन्नई, लखनऊ, पोर्ट ब्लेयर और पटना जैसी जगहों की मिल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गुवाहाटी के लिए सबसे ज्यादा 386 फीसदी बुकिंग बढ़ी है। लोग त्यौहार पर अपने घर जाने के लिए लालायित हैं। इसके बाद जयपुर के लिए 306 फीसदी और पटना के लिए 271 फीसदी बुकिंग बढ़ी हैं। अन्य शहरों की बुकिंग में भी तेज उछाल जारी है। एक ट्रेवल वेबसाइट ने अगस्त से ही दीवाली फ्लाइट्स की बुकिंग के लिए विशेष अभियान चला दिया था। साथ ही चेतावनी भी दी थी कि जल्द ही किराया बढ़ने वाला है। बताया जा रहा है कि दीवाली के आसपास बुकिंग लगभग 15 फीसदी बढ़ गई है। दीवाली के अलावा छठ पूजा और गोवर्धन पूजा तक फ्लाइट टिकट हर साल काफी महंगे रहते हैं।

झारखंड सरकार ने धान के लिए 100 रुपये प्रति क्विंटल बोनस मंजूर किया

रांची । झारखंड सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 में धान के लिए केंद्र के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के अलावा 100 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस देने की घोषणा की। एक अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस संबंध में कुल 60 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। मंत्रिमंडल सचिव वंदना दादेल ने कहा कि मंत्रिमंडल ने केंद्र के एमएसपी के अलावा धान पर 100 रुपये प्रति क्विंटल के बोनस के प्रस्ताव को मंजूरी दी और इस संबंध में 60 करोड़ रुपये मंजूर किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस सत्र में किसानों से 6 लाख टन धान खरीदने का भी फैसला किया है। केंद्र ने वित्त वर्ष 2024-25 में धान की सामान्य किस्म के लिए 2,300 रुपये प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए किस्म के लिए 2,320 रुपये का एमएसपी तय किया है। मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान कुल 36 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जिसमें राज्य भर में 29,604 जमीनी स्तर पर पेयजल सेवा प्रदान करने में लगे लोगों को 12,000 रुपये मूल्य के स्मार्टफोन प्रदान करना शामिल है।

भारतीय रियल स्टेट में विदेशी निवेश 6 महीने में 3.5 बिलियन डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली । भारत में रियल एस्टेट सेक्टर में विदेशी निवेशकों की रु चि बढ़ती जा रही है। हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक 2024 की पहली छमाही में ही इस क्षेत्र में विदेशी निवेश 3.5 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। एक इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनी द्वारा तैयार की गई इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत विदेशी निवेशकों के लिए लैंड और डेवलपमेंट साइट इन्वेस्टमेंट के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे पसंदीदा देश बन गया है। इस सूची में चीन और सिंगापुर भारत से आगे हैं। कोलियर्स की ग्लोबल कैपिटल फ्लो रिपोर्ट के अनुसार 2024 की पहली छमाही में भारत के रियल एस्टेट में हुए कुल निवेश में 73 फीसदी हिस्सा विदेशी निवेशकों का था। इसमें क्रॉस बॉर्डर इन्वेस्टमेंट का योगदान 1.5 बिलियन डॉलर से ज्यादा था। एशिया-पैसिफिक क्षेत्र ने इस इनफ्लो में 1.2 बिलियन डॉलर का योगदान दिया है। जनवरी से मार्च 2024 के दौरान भारतीय रियल एस्टेट में 995.1 मिलियन डॉलर का विदेशी निवेश हुआ था लेकिन दूसरी तिमाही यानी अप्रैल से जून के बीच, यह आंकड़ा बढ़कर 2.5 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया। भारत के रियल एस्टेट में हो रही तेजी के पीछे बुनियादी संरचना में हो रहा विकास है।

भारत का यूरोपीय संघ से आयातित वस्तुओं पर जवाबी सीमा शुल्क लगाने का प्रस्ताव

मुंबई । भारत ने यूरोपीय संघ से आयातित कुछ वस्तुओं पर जवाबी सीमा शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। इस्पात उत्पादों पर यूरोपीय संघ के सुरक्षा उपायों पर आम सहमति नहीं बनने के बाद भारत ने यह फैसला किया है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) को भेजे गए एक संदेश में भारत सरकार ने कहा कि रियायतों का निलंबन यूरोपीय संघ में उत्पादित चुनिंदा उत्पादों पर सीमा शुल्क बढ़ाने का काम करेगा। वर्ष 2018 से 2023 तक यूरोपीय संघ के सुरक्षा उपायों की वजह से भारत को 4.41 अरब डॉलर का कुल व्यापार घाटा हुआ है जिस पर शुल्क संग्रह 1.10 अरब डॉलर होगा। इस हिसाब से भारत द्वारा रियायतों को निलंबित किए जाने पर यूरोपीय संघ में उत्पादित माल पर समान राशि का शुल्क एकत्रित होगा। इस संदेश के मुताबिक पर्याप्त रूप से समान रियायतों को निलंबित करने के अपने अधिकार के प्रभावी प्रयोग के लिए भारत प्रस्तावित निलंबन को तुरंत प्रभावी करने और उत्पादों के साथ सीमा शुल्क दरों को समायोजित करने का अधिकार भी सुरक्षित रखता है। भारत अगले उचित कदमों के बारे में माल व्यापार परिषद और सुरक्षा समिति दोनों को सूचित करेगा। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यूरोपीय संघ ने 25 प्रतिशत के कोटा-मुक्त शुल्क के साथ कुछ इस्पात उत्पाद श्रेणियों के आयात पर सुरक्षा शुल्क को 2026 तक बढ़ा दिया है। इसे पहली बार वर्ष 2018 में लगाया गया था जो बाद में जून 2024 तक बढ़ा दिया गया था। यूरोपीय संघ ने 29 मई, 2024 को कुछ इस्पात उत्पादों के आयात पर सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के अपने प्रस्ताव के बारे में डब्ल्यूटीओ को सूचित किया। भारत इस उपाय से प्रभावित देशों में से एक है। वित्त वर्ष 2023-24 में यूरोपीय संघ को भारत का लौह एवं इस्पात और उनके उत्पादों का निर्यात बढ़कर 6.64 अरब डॉलर हो गया जो 2022-23 में 6.1 अरब डॉलर था।

सेंसेक्स और निफ्टी में डेढ़ फीसदी से अधिक की रही तेजी

मुंबई ।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में डेढ़ फीसदी से अधिक की तेजी देखी गई। बाजार में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। लेकिन सप्ताह के आखिरी दिन शेयर बाजार में सभी रिकॉर्ड ध्वस्त हो गए। अमेरिकी फेड की ओर से इन्टरेस्ट रेट में कटौती के दो दिन बाद भारतीय शेयर बाजार ने नया कीर्तिमान रचा है। बाजार के जानकारों का कहना है कि फेड रिजर्व की ओर से की गई ब्याज कटौती और आगे भी ब्याज कटौती के संकेत, विदेशी निवेशकों की ओर से शेयर मार्केट में किया गया निवेश और बैंकिंग स्टॉक में हुई जमकर खरीदारी का भी असर शेयर बाजार में दिखाई दिया। शेयर बाजार में सप्ताह में दो दिन बढ़त और तीन दिन तेजी दर्ज की गई। भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को तेजी के साथ खुले। सीमित दायरे में कारोबार के बावजूद, प्रमुख भारतीय सूचकांक अपने नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने में सफल रहे। बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 180.92 अंक चढ़कर 83,071.86 पर खुला और 98 अंक की बढ़त के साथ 82,989 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी-50 में भी बढ़त देखी गई और यह 55.1 अंक के साथ 25,411.60 पर खुला और 25,384 पर 27 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। मंगलवार के कारोबारी सत्र में शेयर बाजार करीब सपाट स्तर पर खुला। बीएसई का सेंसेक्स 78 अंक की गिरावट के साथ 82,909 पर खुला और अमेरिका में ब्याज दर घटने के अनुमानों के बीच 90.88 अंक चढ़कर 83,079.66 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 12 अंक की गिरावट के साथ 25,370 पर खुला और 25,400 के स्तर से ऊपर बंद हुआ। बुधवार को बीएसई सेंसेक्स 130.24 अंक गिरकर 82,949.42 पर खुला और 131.43 अंकों की गिरावट के साथ 82,948.23 पर बंद हुआ। निफ्टी 37.75 अंक गिरकर 25,380.80 पर खुला और 41.00 अंक फिसलकर 25,377.55 पर बंद हुआ। भारतीय प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 ने गुरुवार को बाजार खुलते ही नए सर्वकालिक उच्च स्तर को छू लिया। यह तेजी एशिया-पैसिफिक बाजारों और वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स में उछाल के बाद आई, क्योंकि जेरोम पॉवेल की अगुवाई वाले अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बुधवार शाम को 50 बेसिस पॉइंट की दर में कटौती की घोषणा की थी। बाजार खुलते समय बीएसई सेंसेक्स 441 अंकों की बढ़त के साथ 83,389 के स्तर पर खुला और 236.57 अंक चढ़कर 83,184.80 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 50 165 अंकों की बढ़त के साथ 25,542 पर दिखा और थोड़ी देर बाद ही यह 224 अंक बढ़कर 25,602 पर खुला और 38.25 अंक बढ़कर 25,415.80 पर पहुंच गया।

कारोबार के दौरान यह 234.4 अंक बढ़कर 25,611.95 के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 421 अंकों की बढ़त के साथ 0.51 प्रतिशत ऊपर 83,606 पर खुला और 1,359.51 (1.63 फीसदी) अंक चढ़कर 84,544.31 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 112 अंक की बढ़त के साथ 25,528 पर खुला और 375.16 (1.48 फीसदी) अंकों की मजबूती के साथ 25,790.95 पर बंद हुआ।

सीएसआर खर्च तय करेगा इंटर्नशिप योजना के लिए कंपनियों की पात्रता

- 1 करोड़ युवाओं को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण

नई दिल्ली ।

कंपनी मामलों का मंत्रालय उन शीर्ष 500 कंपनियों की सूची जारी करने वाला है जो केंद्र सरकार की इंटर्नशिप योजना में भाग लेने के लिए पात्र होंगी। सूत्रों के अनुसार इन कंपनियों का चयन पिछले तीन वर्षों के दौरान उनके औसत वार्षिक कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) खर्च के आधार पर किया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2024-25 में इस योजना की घोषणा की थी। सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय इस महीने के अंत तक इंटर्नशिप योजना पोर्टल चालू कर देगा, जहां कंपनियां अपने पास उपलब्ध इंटर्नशिप का विवरण जारी कर करेंगी। इंटर्नशिप योजना के लिए आवेदन भी इसी पोर्टल के जरिये ऑनलाइन प्राप्त किए जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि कंपनियों की इंटर्नशिप के उम्मीदवारों तक सीधी पहुंच नहीं होगी। उम्मीदवार द्वारा इंटर्नशिप के लिए आवेदन किए जाने के बाद मंत्रालय की समिति प्राप्त आवेदनों का चयन करेगी और संबंधित कंपनियों को भेजेगी। इसके तहत एक पद के लिए दो उम्मीदवारों के नाम भेजे जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि कंपनियां अपनी जरूरत के आधार पर उम्मीदवारों का चयन अथवा आवेदन को अस्वीकार कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि इस

योजना के लिए काम जोरों पर है। तमाम कंपनियों से संपर्क किया जा रहा है। यह कंपनियों और सरकार दोनों के लिए एक फायदेमंद योजना है। कंपनियां प्रतिभाओं को तैयार करना चाहती हैं और उसकी लागत की भरपाई सरकार कर रही है।कंपनियों से अपेक्षा की जाएगी कि वे 10 फीसदी प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप लागत का वहन अपने सीएसआर कोष से करें। हालांकि यह योजना कंपनियों के लिए स्वैच्छिक है। इसलिए कंपनियां स्वैच्छिक आधार पर इसे अपना सकती हैं। मगर कंपनी अधिनियम के तहत सीएसआर अनिवार्य एवं सांविधिक दायित्व है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली ।

भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम पर आधारित होती हैं। बता दें कि भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के दाम तय करती हैं। जिसके बाद हर सुबह 6 बजे सरकारी तेल कंपनियों पेट्रोल और डीजल का नए भाव अपडेट करती है। ऐसे ही तेल कंपनियों ने 21 सितंबर शे निवार के लिए पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। जिसके मुताबिक देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल मंहगा हो गया है। वहीं कुछ राज्यों ऐसे है जहां में पेट्रोल डीजल सस्ता भी हुआ है। इसके इलावा कई राज्य ऐसे है जहां इनके दाम स्थिर है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.76 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.43 रुपये और डीजल 89.95 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.93 रुपये और डीजल 91.75 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल 100.73 रुपये और डीजल 92.32 रुपये प्रति लीटर है।

मोबाइल सेवा शुल्क बढ़ने से जुलाई में ग्राहकों की संख्या घटी

- बीएसएनएल ने जोड़े सबसे ज्यादा नए ग्राहक

नई दिल्ली ।

जुलाई 2024 में मोबाइल सेवा शुल्क बढ़ने के बाद टेलीकॉम कंपनियों रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों की संख्या में गिरावट देखी गई। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा जारी मासिक रिपोर्ट के अनुसार जुलाई में देश के कुल मोबाइल ग्राहक घटकर 120 करोड़ 51.7 लाख रह गए, जो जून में 120 करोड़ 56.4 लाख थे। रिपोर्ट के मुताबिक भारती एयरटेल ने जुलाई में 16.9 लाख ग्राहक खो दिए, जो अन्य कंपनियों के मुकाबले सबसे ज्यादा नुकसान था। वोडाफोन आइडिया ने 14.1 लाख ग्राहक गंवाए, जबकि रिलायंस जियो ने 7.58 लाख ग्राहकों का नुकसान उठाया। पिछले दो-तीन वर्षों में एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने अपनी प्रारंभिक मोबाइल सेवा दरों को दोगुना से अधिक बढ़ाकर 199 रुपये प्रति 28 दिन कर दिया है। इस शुल्क वृद्धि से ग्राहकों पर वित्तीय दबाव बढ़ा, जिसके परिणामस्वरूप ग्राहक आधार में कमी आई। इसके विपरीत, भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) एकमात्र सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी रही, जिसने नए ग्राहकों की संख्या में वृद्धि दर्ज की। जुलाई में बीएसएनएल ने 29.4 लाख नए

मोबाइल उपभोक्ताओं को जोड़ा, जिससे यह कंपनियों के बीच नए ग्राहक जोड़ने में अग्रणी रही। इस प्रदर्शन के चलते बीएसएनएल ने अपनी स्थिति को मजबूत किया, जबकि निजी क्षेत्र की कंपनियों को गिरावट का सामना करना पड़ा। मोबाइल सेवा दरों में वृद्धि का प्रभाव विभिन्न दूरसंचार सर्किलों में देखने को मिला, जैसे पूर्वोत्तर, महाराष्ट्र, राजस्थान, मुंबई, कोलकाता, तमिलनाडु, पंजाब, बिहार, पश्चिम बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, और आंध्र प्रदेश। इन क्षेत्रों में ग्राहक आधार में गिरावट दर्ज की गई, जो शुल्क वृद्धि के कारण उपभोक्ताओं के असंतोष को दर्शाती है।

जियो का नया रिचार्ज प्लान, अनलिमिटेड 5 जी के साथ मिलेगी फ्री कॉलिंग!

मुंबई ।

देश की प्रमुख दूरसंचार कंपनी जियो अपने ग्राहकों के लिए नवरात्रि से पहले नया प्लान लेकर आया है। जियो ने 364 दिन वाला 3599 रुपए का रिचार्ज प्लान फ्री में देने का ऐलान किया है। हालांकि इसके लिए कंपनी ने कुछ शर्तें रखी है, जिसके यूजर्स को पूरा करना होगा। जियो यूजर्स इस ऑफर का फायदा उठा सकते हैं, जिससे पूरे साल रिचार्ज कराने का झंझट खत्म हो जाएगा। बता दें कि ये ऑफर देश के सभी कोनों में लागू होगा। जानकारी के अनुसार जियो ने अपनी इंटरनेट सेवा यानि जियो फाइबर को प्रमोट करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। जियो यूजर्स नए एयरफाइबर प्लान के लिए साइन अप करके फ्री मोबाइल रिचार्ज का मजा ले सकते हैं। जियो की वेबसाइट के मुताबिक, यूजर्स को 3599 रुपये का कॉम्प्लीमेंट्री सालाना मोबाइल रिचार्ज प्लान मिलेगा, जो 365 दिनों के लिए वैलिड होगा। इस प्लान में रोजाना 2.5जीबी हाई-स्पीड डेटा का फायदा शामिल है। जियो यूजर्स कंपनी की वेबसाइट और माय जियो ऐप के जरिए नया एयरफाइबर बुक कर सकते हैं। कंपनी ने एयर फाइबर ब्रॉडबैंड के लिए सिर्फ 50 रुपये का बुकिंग चार्ज तय किया है।

इसके अलावा एयर फाइबर आफर के तहत 3 महीने के प्लान पर यूजर्स को 30 फीसदी की छूट दी जा रही है, जो 2121 रुपये में उपलब्ध है। इस प्लान में 800 से ज़्यादा डिजिटल टीवी चैनल, 13 से ज़्यादा ओटीटी ऐप और अनलिमिटेड वाई-फाई का एक्सेस शामिल है।

टाटा स्टील ने ओडिसा में शुरू किया भारत का सबसे बड़ा ब्लास्ट फर्नेस

कंपनी की उत्पादन क्षमता बढ़कर 80 लाख टन प्रति वर्ष हो जाएगी

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील ने ओडिशा के कलिंगनगर संयंत्र में भारत के सबसे बड़े ब्लास्ट फर्नेस का शुभारंभ कर दिया है। यह फर्नेस कंपनी की उत्पादन क्षमता को 30 लाख टन प्रति वर्ष से बढ़ाकर 80 लाख टन प्रति वर्ष तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ब्लास्ट फर्नेस इस्पात निर्माण प्रक्रिया का प्रमुख घटक होता है, जो 1500 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान पर धातु का उत्पादन करने में सक्षम है। टाटा स्टील ने नवंबर 2018 में ओडिशा में अपने कलिंगनगर संयंत्र के विस्तार के दूसरे चरण के लिए 27,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की थी।

इस परियोजना के तहत ब्लास्ट फर्नेस का चालू होना इस्पात उद्योग में टाटा स्टील के नए मानकों को स्थापित करने के दृष्टिकोण से एक बड़ा कदम है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कलिंगनगर में भारत के सबसे बड़े ब्लास्ट फर्नेस का चालू होना इस्पात उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह नई क्षमता, उन्नत प्रौद्योगिकी और पर्यावरणीय स्थिरता के लिहाज से नए मानक स्थापित करता है। इस ब्लास्ट फर्नेस की क्षमता 5,870 घन मीटर है और यह पर्यावरण के अनुकूल डिजाइन से लैस है, जिससे इस्पात उत्पादन प्रक्रिया अधिक टिकाऊ और कुशल बन सकेगी। इसके अलावा संयंत्र के विस्तार में कच्चे माल की क्षमता में बढ़ोतरी, अपस्ट्रीम और मिड-स्ट्रीम सुविधाओं का विस्तार, और कोल्ड रोलिंग मिल कॉम्प्लेक्स जैसी डाउनस्ट्रीम सुविधाएं भी शामिल हैं। टाटा स्टील ने कहा कि बीते 10 वर्षों में ओडिशा भारत में कंपनी का सबसे बड़ा निवेश गंतव्य बन गया है, जहां अब तक एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जा चुका है। कलिंगनगर संयंत्र का यह विस्तार देश में इस्पात उत्पादन क्षमता में एक महत्वपूर्ण योगदान देगा और टाटा स्टील की स्थिति को और मजबूत करेगा।

सरकार और संगठन मुनाफाखोरी पर लगाएंगे लगाम

नई दिल्ली ।

सीमा शुल्क बढ़ने के बाद खाने के तेलों के भाव बढ़ाए जाने की खबरों के बीच कारोबारी संगठनों ने मुनाफाखोरी करने वालों के खिलाफ मुहिम छेड़ दी है। सरकार पहले ही कारोबारी संगठनों को निर्देश दे चुकी है कि त्योहारी सीजन में कीमत नहीं बढ़ाई जाए क्योंकि देश में करीब दो महीने का खाने के तेलों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। सरकार और कारोबारी संगठनों की सख्ती की वजह से त्योहारी सीजन में खाने के तेलों के दाम स्थिर रह सकते हैं। उद्योग जगत के लोगों को कहना है कि आगामी त्योहारी मौसम के दौरान खाद्य तेलों के भाव दाम में कोई उछाल आने की आशंका नहीं है। नंदिनी ब्रांड से खाद्य तेल उत्पादक कंपनी एनके प्रोटेनिस प्राइवेट लिमिटेड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी कहते हैं कि आयात शुल्क में बढ़ोतरी का असर त्योहारी सीजन में नहीं पड़ने वाला है क्योंकि करीब 45 दिनों का स्टॉक पोर्ट में पड़ा है। इसके

अलावा करीब 20 दिन का माल कारोबारियों के पास जमा है। इस तरह डेढ़ दो महीने का स्टॉक देश में मौजूद है। अगले महीने से नई फसल आना शुरू हो जाएगी जिससे इसका असर कम होगा। फिलहाल त्योहारी सीजन में कीमतें नहीं बढ़ने वाली है और इसके बाद भी खाद्य तेलों के दाम 10 फीसदी से ज्यादा नहीं बढ़ेंगे। इसका सबसे ज्यादा फायदा किसानों को होगा, जब किसानों को फायदा होगा तो घरेलू उत्पादन बढ़ेगा। आयात कम होगा जो देश के लिए फायदेमंद होगा। यानी सरकार का यह फैसला किसान और देश हित में है।

भारत / बांग्लादेश पहला टेस्ट: बांग्लादेश के सामने 515 रन का लक्ष्य, भारत को जीत के लिए 6 और विकेट की दरकार

चेन्नई (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। भारत के लिए पंत ने 109 और शुभमन गिल ने नाबाद 119 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 167 रन की साझेदारी की जिसकी बदौलत भारत ने कल के स्कोर तीन विकेट पर 81 रन से आगे खेलते हुए चार विकेट पर 287 रन पर पारी घोषित की।

भारत के पास कुल 514 रन की बढ़त हो गई जिससे बांग्लादेश को 515 रन का दुरुह लक्ष्य मिला। इससे पहले बांग्लादेश की टीम दूसरे टीम 149 रन पर आउट हो गई थी। बांग्लादेश ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 158 रन बना लिए थे। जब खराब रोशनी के कारण खेल चार बजकर 25 मिनट पर ही रोकना पड़ा। बांग्लादेश को अभी भी हार को टालने के लिए 357 रन बनाने हैं और पूरे दो दिन का खेल पाकी है। कप्तान नजमुल हुसैन शंटो (51) और शाकिब अल हसन (5) क्रीज पर हैं। बांग्लादेशी बल्लेबाज अगर स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को संभलकर खेलते तो उनकी स्थिति बेहतर हो सकती थी। अश्विन ने 63 रन देकर तीन विकेट लिए। तीसरे दिन का खेल गिल और पंत के नाम रहा। दोनों युवा बल्लेबाज व्यक्तिगत स्तर पर चुनौतियों से जूझते हुए पारंपरिक क्रिकेट की कसौटी पर खरे उतरे। दिसंबर 2022 में कार हादसे के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले पंत ने छठा टेस्ट शतक सिर्फ 124 गेंद में पूरा किया। उन्होंने किसी भारतीय विकेटकीपर द्वारा सर्वाधिक टेस्ट शतक के अपने थाला महेंद्र सिंह धोनी के रिकॉर्ड की भी बराबरी की। पंत ने 109 रन बनाए जिसमें 13 चौके और चार छक्के शामिल थे। वहीं गिल ने पांचवां टेस्ट शतक जड़ते हुए 176 गेंद की अपनी पारी में दस चौके और चार छक्के जड़े।

विराट कोहली का स्पिनर्स के खिलाफ संघर्ष जारी, बांग्लादेश टेस्ट में खराब प्रदर्शन

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर एशियाई पिचों पर स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष करते नजर आए। बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में पहले टेस्ट मैच कि दोनों पारियों में कोहली स्पिन गेंदबाजों के सामने जूझतें नहीं आए। कोहली ने पहली पारी में 6 और दूसरी पारी में 17 रन बनाकर एक बार फिर अपनी कमजोरियों को उजागर किया। पहली पारी में, कोहली को हसन महमूद की ऑफ-स्टंप डिलीवरी पर आउट होना पड़ा, जबकि दूसरी पारी में वह मेहदी हसन मिराज के खिलाफ पगबाधा आउट हुए। अल्ट्राएज के अनुसार, वह गेंद पहले बल्ले का किनारा लेकर गई थी, और यदि उन्होंने डीआरएस (डीसिजन रिव्यू सिस्टम) लिया होता, तो वह बच सकते थे। लेकिन कोहली ने ऐसा नहीं किया, जिससे एशिया में स्पिनरों के खिलाफ उनकी खराब फॉर्म का सिलसिला जारी रहा। 2021 से टेस्ट फॉर्मेट में स्पिनरों के खिलाफ कोहली ने 1094 गेंदों का सामना करते हुए सिर्फ 499 रन बनाए हैं, जिसमें 18 बार आउट होने का सामना करना पड़ा। उनका औसत 27.72 और स्ट्राइक रेट 45.61 रहा है। इस वर्ष, सभी प्रारूपों में उनका प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा है। 2024 में, उन्होंने 15 मैचों की 17 पारियों में केवल 319 रन बनाए हैं, जिसमें औसत 18.76 है और सिर्फ एक अर्धशतक शामिल है। कोहली के टेस्ट फॉर्म का औसत इस समय आठ साल के निचले स्तर पर है। 114 टेस्ट मैचों में, उन्होंने 193 पारियों में 48.74 की औसत से 8,871 रन बनाए हैं, जिसमें 29 शतक और 30 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका आखिरी औसत इससे कम नवंबर 2016 में था।

विराट कोहली का 2020 से अब तक का दौर भी खराब रहा है। 30 टेस्ट मैचों में 52 पारियों में, उन्होंने केवल 2 शतक और 8 अर्द्धशतक के साथ 32.72 की औसत से 1,669 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 186 है। 2023-25 ??आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में, कोहली ने 5 टेस्ट की 8 पारियों में 49.00 की औसत से 392 रन बनाए हैं, जिसमें 1 शतक और 2 अर्द्धशतक शामिल हैं। भारतीय टीम न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी आगामी श्रृंखला में कोहली की फॉर्म में सुधार की उम्मीद कर रही है, जिससे उन्हें एक बार फिर अपने पुराने रंग में लौटने का मौका मिलेगा।

हार्दिक पंड्या घरेलू क्रिकेट खेलेंगे, एक नहीं इन 2 बड़े टूर्नामेंट में खेलने की भी संभावना

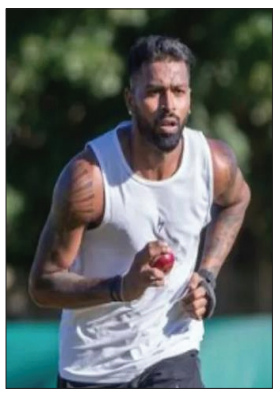

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के एक बड़े दौरे के साथ भारत के सफेद गेंद विशेषज्ञ हार्दिक पंड्या आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में एक बड़े ब्रेक के बाद एक्शन में लौटने के लिए तैयार हैं। भारत के हरफनमौला खिलाड़ी ने रणजी ट्रॉफी में अपने राज्य की रेड-बॉल क्रिकेट खेलने की भी इच्छा व्यक्त की है। बीसीसीआई सूत्रों का कहना है कि विश्व टी20 विश्व कप 2024 में भारत की जीत के स्टार पंड्या के बड़ौदा के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलने की संभावना है।

सूत्रों के मुताबिक, भारत के ऑलराउंडर ने बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) को घरेलू सफेद गेंद क्रिकेट खेलने की इच्छा व्यक्त की है। सूत्र का कहना है कि रणजी ट्रॉफी में भी हार्दिक खेलना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया सीरीज को ध्यान में रखते हुए वह टेस्ट क्रिकेट में वापसी की तलाश में हैं। पंड्या मौजूदा दलीप ट्रॉफी में शामिल नहीं हैं, लेकिन ऐसा महसूस किया जा रहा है कि रणजी ट्रॉफी में खेलने की उनकी इच्छा प्रतिष्ठित 5 टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल होने का एक प्रयास हो सकती है।

हार्दिक ने आखिरी बार जून में टी20 विश्व कप में भारत की जीत के बाद जुलाई में पल्लेकेले में श्रीलंका के खिलाफ दो टी20 मैचों में सफेद गेंद से क्रिकेट खेला था। बता दें कि बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह ने भी बीते दिनों खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलने की बात कही थी। इसी क्रम में दलीप ट्रॉफी में कई बड़े सितारों ने हिस्सा लिया था। टीम इंडिया से बाहर चल रहे ईशान किशन भी घरेलू क्रिकेट खेलते नजर आए थे जहां उन्होंने शतक के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी।

दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के मैचों के बाद कई भारतीय प्लेयरों को बांगलादेश के खिलाफ होने वाले दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए चुन लिया गया था। इसमें आकाश दीप और यश दयाल को मौका मिला। इसी तरह पंत, केएल राहुल की भी टीम इंडिया में वापसी हो गई। विराट कोहली जो इंग्लैंड के खिलाफ खेल नहीं पाए थे, भी बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के लिए वापस आ गए। अब भारतीय टेस्ट सेटअप में फिट होने के लिए हार्दिक पसीना बहा रहे हैं।

अश्विन ने कही दिल की बात- मैं जडेजा से ईर्ष्या करता हूं, काश मैं वैसा बन पाता

चेन्नई (एजेंसी)। रविचंद्रन अश्विन ने रविंद्र जडेजा की जमकर प्रशंसा करते हुए शुक्रवार को यहां कहा कि वह अपने इस स्पिन जोड़ीदार की असाधारण प्रतिभा से ईर्ष्या करते हैं और सोचते हैं कि काश वह उनकी तरह बन पाते। गेंदबाजी में जब जोड़ी की बात आती है तो जेहन में तेज गेंदबाज आते हैं लेकिन अश्विन और जडेजा ने स्पिन जोड़ी के रूप में टेस्ट क्रिकेट में नई पटकथा लिखी। अब इन दोनों ने बल्लेबाजी में भी अच्छी जोड़ी बनाई है जिसकी बानगी बांग्लादेश के खिलाफ यहां चल रहे पहले टेस्ट मैच के दौरान भी देखने को मिली जब इन दोनों ने 7वें विकेट के लिए 199 रन की साझेदारी करके भारत को खराब शुरुआत से उबारकर चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

अश्विन ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद संवाददाताओं से कहा कि मैं हमेशा उससे ईर्ष्या करता हूं कि वह कितना प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। उसने अपनी क्षमता को अधिकतम स्तर तक पहुंचाने के तरीके ढूंढ लिए हैं। काश मैं वैसा बन पाता, लेकिन मैं जैसा हूं उससे भी खुश हूं। चेन्नई के इस खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि दूसरे छोर पर जडेजा के होने से उन्हें अपना छठा टेस्ट शतक बनाने में मदद मिली।

अश्विन ने कहा कि वह एक असाधारण क्रिकेटर है। मैं उसके लिए खुश हूं। मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों में उसे बल्लेबाजी करते हुए देखने से मुझे यह भी पता चला है कि मैं कितना बेहतर हो सकता हूं। जब गेंदबाजी की बात आती है तो इन दोनों की अपनी अलग-अलग शैली होती है लेकिन वे टीम को फायदा पहुंचाने के लिए एक दूसरे का साथ देकर आगे बढ़ना सीख गए हैं। यह दोनों जनवरी में अनिल कुंबले और हरभजन सिंह (501 विकेट) को पीछे छोड़कर भारत की सबसे सफल गेंदबाजी जोड़ी बन गई है।

अश्विन ने कहा कि वह इसे वास्तव में इसे सरल बनाए रखता है। वह इसे (गेंदबाजी) दिन-ब-दिन दोहरा सकता है। हम दोनों एक साथ आगे बढ़े हैं और हम दोनों ने कुछ खास चीजें की हैं।' उन्होंने कहा, ''इस स्तर पर हम वास्तव में एक-दूसरे को महत्व देते हैं और हम दोनों एक-दूसरे की सफलता का पहले से कहीं अधिक आनंद ले रहे हैं।'

यशस्वी और शुभमन को निशाना बनाएंगे : हेजलवुड

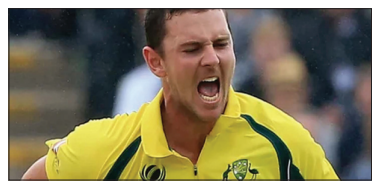

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा कि उनकी टीम इस साल के अंत में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में भारतीय टीम के युवा बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल पर अंकुश लगाने के पूरे प्रयास करेगी। हेजलवुड के अनुसार इन दोनो ने ही पिछले कुछ समय में कई टीम के खिलाफ काफी अच्छा खेला है हालांकि हमारी टीम के खिलाफ ये दोनो ही काफी कम मैच खेले हैं। इसलिए हम इनके खेलने का अंदाज ज्यादा नहीं जानते। इसलिए हमारा लक्ष्य इनको निशाना बनाना रहेगा। इसका कारण ये है कि यशस्वी और शुभमन भी पिछले कुछ समय में शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के तौर पर उभरे हैं। हेजलवुड ने कहा, 'हमारी रणनीति उन नए खिलाड़ियों को निशाना बनाने की ज्यादा रहेगी जिनके खिलाफ हमने अधिक टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है और इसमें यशस्वी वह शुभमन जैसे बल्लेबाज शामिल हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा, 'हमने कई साल से विराट कोहली, रोहित शर्मा और अन्य खिलाड़ियों के खिलाफ खेला है, इसलिए हम जानते हैं कि उनके खिलाफ कैसे क्या करना है। इसलिए उनके खिलाफ हमारे पास तय योजना है। हेजलवुड ने कहा कि जब मूल बातों पर ध्यान दिया जाता है तो टीम को नुकसान नहीं होता है। उन्होंने कहा, 'हम आम तौर 10 में से नौ बार अपनी योजनाओं पर अमल करने में सफल रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट में हालांकि हमें हालातों के अनुसार चलना होता है।

डब्ल्यूबीबीएल लीग 27 अक्टूबर से

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) अगले माह 27 अक्टूबर से शुरु होगी। डब्ल्यूबीबीएल लीग का पहला मुकाबला 27 अक्टूबर को एडिलेड में एडिलेड स्ट्राइकर्स और ब्रिसबेन हीट के बीच होगा। इस लीग में भारती की स्मृति मंधाना, दयालन हेमलता सहित छह भारतीय खिलाड़ी खेलती नजर आयेंगी। वहीं हरमनप्रीत सिंह और शैफाली वर्मा को इसमें शामिल नहीं किया गया है। मंधाना को एडिलेड स्ट्राइकर्स ने पहले ही अनुबंधित कर लिया था। वहीं दयालन हेमलता पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम से खेलेंगी। हेमलता पहली बार इस लीग में खेलेंगी। वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया भी इस लीग में पहली बार उतरेंगी। वह मेलबर्न स्टार्स टीम से खेलेंगी। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा भी इस टीम में शामिल हैं। वहीं शिखा पांडे को ब्रिसबेन हीट ने शामिल किया है। वह पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगी। इसका कारण है कि वह भारत की टी20 विश्व कप टीम में शामिल नहीं हैं। वह ब्रिसबेन हीट की टीम में जेमिमा रोड्रिग्स के साथ शामिल हुई हैं।

बल्ले के बाद आर अश्विन ने गेंद से किया कमाल, ईशांत शर्मा का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

चेन्नई । भारत और बांग्लादेश के बीच चेपॉक में खेले जा रहे पहले टेस्ट के तीसरे दिन आर अश्विन ने खास रिकॉर्ड अपने नाम किया। पहली पारी में शतक लगाने वाले अश्विन ने बांग्लादेश की दूसरी पारी में अब तक 3 विकेट चटकाए हैं। ऐसे में वह बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं जिन्होंने ईशांत शर्मा को पछाड़ दिया है। वहीं अश्विन ने बांग्लादेश के खिलाफ अब तक खेले गए 7 टेस्ट की 13 पारियों में 26* विकेट चटकाए हैं। इस दौरान उनकी औसत 27.23 की और इकॉनमी 3 की रही है। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज जहीर खान हैं। जहीर ने 7 टेस्ट की 14 पारियों में 31 विकेट अपने नाम किए थे। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर ईशांत शर्मा हैं। ईशांत के नाम 7 टेस्ट की 13 पारियों में 25 विकेट हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मौजूद टेस्ट सीरीज में अश्विन के पास जहीर खान को पीछे छोड़ने का मौका है।

हरमनप्रीत सिंह एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को शनिवार को एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिये नामांकित किया गया। 28 वर्ष के ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत ने पेरिस ओलंपिक में आठ मैचों में दस गोल किये थे। वह 2020 और 2022 में लगातार दो बार पुरस्कार जीत चुके हैं।

हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में उन्होंने कहा ,'' एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में एक बार फिर शामिल होना गर्व की बात है।'' उन्होंने कहा ,'' मुझे खुशी है कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ मुझे नामांकन मिला है। लेकिन यह मेरी टीम के सहयोग के बिना संभव नहीं था। मैं एफआईएच प्रो लीग और पेरिस ओलंपिक में भी इतने गोल इसलिये कर सका क्योंकि टीम ने गोल करने के मौके बनाये।''

हरमनप्रीत के अलावा नीदरलैंड के थियरी ब्रिंकमैन और योएप डि मोल, जर्मनी के हानेस म्यूलेर और इंग्लैंड के जाक वालास भी दौड़ में हैं। इसके लिये 2024 में हुए सभी मैचों को गिना जायेगा जिसमें टेस्ट मैच, एफआईएच हॉकी प्रो लीग, एफआईएच हॉकी नेशंस कप, ओलंपिक क्वालीफायर और ओलंपिक शामिल है।

हरमनप्रीत ने कहा ,'' पेरिस ओलंपिक अभी तक मेरे कैरियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है। टीम ने हमेशा मेरा साथ दिया, खासकर पिछले साल विश्व कप में जब मैं एक भी गोल नहीं कर सका था। लेकिन टीम ने मुझे दोष नहीं दिया। मेरे दिमाग में हमेशा से था कि टीम के भरोसे पर खरा उतरना है।'' भारतीय टीम ने हाल ही में चीन में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी भी जीती है। हरमनप्रीत सात गोल करके प्लेयर आफ द टूर्नामेंट रहे। पुरस्कार के लिये मतदान 11 अक्टूबर तक होगा।

इटली का मुकाबला अर्जेंटीना, अमेरिकी टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा, डेविस कप टेनिस के फाइनल आठ के मुकाबले नवंबर में खेले जाएंगे

लंदन । डेविस कप टेनिस के फाइनल आठ मुकाबले 19 से 24 नवंबर तक स्पेन के मलागा में खेले जाएंगे। इसमें गत विजेता इटली नॉकआउट चरण के पहले मैच में अर्जेंटीना से खेलेगी जबकि अमेरिकी टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। शीर्ष आठ देशों ने ग्रुप फाइनल से नॉकआउट चरण में प्रवेश किया है। अपने तीनों ग्रुप फाइनल मुकाबलों में विजेता रही इटली की टीम नॉकआउट चरणों के लिए अपनी टीम को बेहतर करने के प्रयास करेंगी। उसके शीर्ष खिलाड़ी जैपनिक सिनर, ग्रुप चरण से बाहर थे पर वह अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में वापसी कर सकते हैं। अर्जेंटीना ने ब्रिटेन और कनाडा जैसे जैसी टीमों के कठिन ग्रुप में जीत के साथ ही यहां तक का सफर तय किया है। वहीं अर्जेंटीना की टीम दो एकल मैच और एक युगल मैच में इटली पर जीत का प्रयास करेगी। एक अन्य मुकाबले में अमेरिकी टीम ऑस्ट्रेलिया का सामना करने तैयार रहेगी। ग्रुप फाइनल के दौरान दोनों टीमों के प्रमुख खिलाड़ी उपस्थित नहीं थे पर क्वार्टर फाइनल में वे नजर आ सकते हैं। वहीं एक अन्य क्वार्टर फाइनल में, मेजबान स्पेन और नीदरलैंड खेलेगी जबकि कनाडा का मुकाबला जर्मनी से होगा।

इस बार एशेज में शतक की कमी भी पूरी कर देगा रुट : वॉन

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने अनुभवी बल्लेबाज जो रूट की जमकर प्रशंसा की है। वॉन ने कहा कि देश की ओर से सबसे अधिक 34 टेस्ट शतक लगाना आसान नहीं है। उन्होंने रुट को इंग्लैंड का एक महान बल्लेबाज करार दिया है। रूट ने 10 देशों के खिलाफ शतक बनाया है पर अभी तक ऑस्ट्रेलिया में शतक नहीं बनाया है। इसपर वॉन ने कहा, उनके खेल में केवल एक चीज की कमी है, वह है ऑस्ट्रेलिया में उनका बड़ा शतक पर मुझे उम्मीद है कि इस बार वह एशेज में शतक की कमी भी पूरी कर देगा। वॉन ने कहा, रुट का शीर्ष तक पहुंचना आचानक नहीं नहीं हुआ है। यह विशुद्ध तकनीक और क्षमता से जुड़ा हुआ मामला है। जो रूट महान हैं क्योंकि वह एक आदर्श खिलाड़ी हैं। वह एक अच्छे इंसान और बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वॉन ने आसानी से रन बनाने के रूट के कौशल की सराहना करते हुए कहा, उसके खेलते समय विरोधी टीम को हमेशा ऑफ साइड पर स्क्वायर के पीछे चार फील्डर रखने पड़ते हैं क्योंकि वह इस क्षेत्र में बहुत अच्छे हैं।वह सामान्य रूप से खेलता है और बिना कोई जोखिम लिए रन बनाता है। आप कितनी बार देखते हैं कि उसने बिना बड़े शॉट लगाये रन बना लिए हैं। वहीं पूर्व कप्तान टिम कुक ने भी रूट की असाधारण स्थिरता और तकनीक की प्रशंसा करते हुए कहा, उनके बारे में यह अनिवार्यता है कि जब वह मैदान पर उतरते हैं तो रन बनाएंगे और इसे इतना आसान बना देंगे।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर बोला, डब्ल्यूटीसी अन्य क्रिकेट प्रतियोगिताओं से अलग

ऑकलैंड । ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन ने लियोन ने डब्ल्यूटीसी के दो-वर्षीय प्रारूप को भी बेहतर बताया, इसको लेकर उनका कहना है कि यह अन्य क्रिकेट प्रतियोगिताओं से अलग है क्योंकि इसमें टीमों को लंबे समय तक लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है। लियोन ने कहा, यह टूर्नामेंट का खेल नहीं है। आप केवल सेमीफाइनल में पहुंचकर दो गेम हारकर या कुछ और करके नहीं रह सकते। आपको चक्र के दो वर्षों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा, एक चीज जो मैं देखना चाहता हूं, वह यह कि मैं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल संभावित रूप से तीन मैचों की सीरीज में देखना चाहता हूं। यह थोड़ा बेहतर हो सकता है क्योंकि आप संभावित रूप से एक सत्र में टेस्ट मैच का उपयोग करके हार सकते हैं, जहां तीन मैचों की सीरीज में टीमों को अपना दबदबा दिखाने और 3-0 से जीतने का मौका दे सकता है। वैसे भी हमारे पास समय की कमी है और यह एक चुनौती होगी, लेकिन यह एक चीज है जिसे मैं बदलना चाहूंगा। उन्होंने कहा, आप संभावित रूप से इंग्लैंड में एक, भारत में एक, ऑस्ट्रेलिया में एक खेल सकते हैं, इसलिए आपके पास सभी अलग-अलग स्थितियां हैं, लेकिन जाहिर है इसका समय सब कुछ बदल देता है। मुझे नहीं लगता कि हम अगस्त के मध्य में एमसीजी पर उतरेंगे, बस इसे वहां रख रहे हैं। लियोन ने जोर देकर कहा कि डब्ल्यूटीसी प्रारूप व्यक्तिगत श्रृंखलाओं में डेड रबर की संभावना को दूर करता है, यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक मैच महत्वपूर्ण और प्रतिस्पर्धी बना रहे, जिसमें दो साल के चक्र के भीतर प्रत्येक अंक का महत्व हो। इस क्रिकेटर ने कहा, ओह, हां। मैं बस इतना कहूंगा कि यह (विश्व टेस्ट चैंपियनशिप) टेस्ट क्रिकेट का शिखर है। लोग कहते हैं कि कभी-कभी जब आप तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे हो जाते हैं या जो भी हो, यह एक बेजान रबर होता है पर मुझे लगता है कि अब कोई बेजान रबर नहीं है। लियोन ने डब्ल्यूटीसी को टेस्ट क्रिकेट का विश्व कप बताया है जिससे लिए टीमों को काफी मैच खेलने पड़ते हैं।

रिकी पोंटिंग ने माना आईपीएल मेगा नीलामी में हुई थी बड़ी गलतियां, पंत का नाम भी लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिकी पोंटिंग पंजाब किंग्स के कोच बन गए हैं। उन्होंने अब दिल्ली कैपिटलस को छोड़ने और गिरते प्रदर्शन पर तीखी बातें की हैं। पोंटिंग ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपनी आईपीएल यात्रा के दौरान कई बेहतरीन यादें बनाईं, उन्होंने एमआई को कोचिंग देना एक 'अद्भुत अनुभव' बताया। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रॉफी के बिना भी डीसी चेंजिंग रूम एक 'विशेष स्थान' था।

पोंटिंग ने इस दौरान मेगा नीलामी में हुई गलतियों का जिक्र किया। पोंटिंग बोले- हमने कुछ साल पहले (2022) अपनी मेगा-नीलामी में कुछ बड़ी गलतियां कीं। हमने कुछ खिलाड़ियों को बरकरार रखा जिससे हम पछड़ गए। इस साल भी (2024), छोटी चीजें हमारे खिलाफ गईं। ऋषभ (पंत, डीसी कप्तान) को उस खेल से निलंबित कर दिया गया जिसे हमें जीतना था। हम रन रेट के आधार पर प्लेऑफ से चूक गए। टी20 खेलों में परिणाम वास्तव में छोटे अंतर से तय होते हैं और फिर हमारे सीज़न को वास्तव में छोटे मार्जिन से भी परिभाषित किया जा सकता है और हम डीसी में कुछ वर्षों से गलत अंत पर हैं।

आईपीएल में कोचिंग के विकास पर पोंटिंग ने कहा कि कोचिंग अब अधिक विशिष्ट हो गई है और टीमें विभिन्न भूमिकाओं के लिए कोच नियुक्त करके हर आधार को कवर कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आपके पास एक ही समय में दुनिया के कई सर्वश्रेष्ठ कोच हैं। और जब आपके पास सर्वश्रेष्ठ कोच और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी होते हैं, तो आपको उच्च गुणवत्ता वाली क्रिकेट की गारंटी होती है। इन सभी कोचों के साथ आईपीएल ने क्या किया है मुझे लगता है कि यही कारण है कि भारत वास्तव में उतना ही अच्छा है जितना कि वे हैं। भारत में हमेशा से ही प्रतिभा रही है, लेकिन हर साल दो या तीन महीने के लिए सर्वश्रेष्ठ कोचों के साथ उस प्रतिभा को रखने से उन्हें बेहतर खिलाड़ी बनने में मदद मिली है।

अब पंजाब टीम बनाने की चुनौती

पोंटिंग ने कहा कि अब सभी फ्रेंचाइजी पूर्ण कोचिंग स्टाफ रखने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन मैं अन्य प्रतिबद्धताओं और पारिवारिक समय के कारण ऑफ-सीजन के दौरान उपलब्ध नहीं था। अब पोंटिंग के सामने पंजाब किंग्स टीम को सेट करने की चुनौती है। टीम में हर्षल पटेल भी हैं जिन्होंने पिछले सीजन में पर्पल कैप जीता था। इसके अलावा अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा भी हैं। टीम में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा, लेग स्पिनर राहुल चाहर भी हैं। इसके अलावा इंग्लैंड के सैम कुरेन, लियाम लिविंगस्टोन, जॉनी बेयरस्टो और दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा भी हैं। शिखर धवन संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में नया कप्तान भी चुनना होगा। सबसे बड़ी समस्या रिटेंशन को लेकर होगी कि किन प्लेयरों को रिटेन किया जाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक छोटा बच्चा दूसरे बच्चे से – अगर दिन को सूर्य न निकला तो क्या होगा?
दूसरे बच्चे ने जवाब दिया – बिजली का बिल बढ़ जाएगा।

●●●●●●●

टीचर (मिन्नी से) – आज स्कूल में देर से आने का तुमने क्या बहाना ढूंढा है?
मिन्नी – सर आज मै इतनी तेज दौड़ कर आई कि बहाना सोचने का मौका ही नही मिला।

●●●●●●●

मैनेजर ने आने वाले से पूछा – क्या तुम्हें पता नहीं कि आज्ञा के बिना अन्दर आना मना है।
आने वाला – जनाब मैं आज्ञा लेने के लिए ही अन्दर आया हूं।

●●●●●●●

पत्नी – मैंने आज सपनो में देखा है कि तुम मेरे लिए हीरों का हार लाए हो, इस सपने का क्या मतलब है?
पति – आज शाम को बताऊगा। शाम को पति ने एक पैकेट पत्नी को लाकर दिया। पत्नी ने खुशी-खुशी पैकेट खोला तो उस मे एक किताब निकली । किताब का नाम था, सपनों का मतलब।

●●●●●●●

नया सिपाही (इंस्पैक्टर से) – सर ये बिलकुल गलत है कि मैं उस चोर से डर गया था।
इंस्पैक्टर – तो तुम उस गाड़ी के पिछे क्यों छिपे थे?
नया सिपाही – जी वह तो मैं कुत्ता देख कर छिपा था।

●●●●●●●

अध्यापक – बाबर भारत में कब आया?
बंटी – पता नहीं सर।
अध्यापक – बोर्ड पर नहीं देख सकते, नाम के साथ ही लिखा है।
बंटी – मैंने सोचा, शायद वह उसका फोन नम्बर है।

●●●●●●●

एक बहानेबाज कर्मचारी का दादा उस के दफ्तर में जा कर उस के बॉस से बोला– इस दफ्तर में सुनील नाम का व्यक्ति कार्य करता है, मुझे उस से मिलना है, वह मेरा पोता है।
बॉस ने मुस्करा कर कहा – मुझे अफसोस है, आप देर से आए है, वह आप की अर्थी को कंधा देने के लिए छुट्टी लेकर जा चुका है।

●●●●●●●

सेठानी (नौकरानी से) – क्यों महारानी जी आज आने में इतनी देर क्यों लगा दी?
नौकरानी – सेठानी जी मैं सीढ़ियों से गिर गई थी।
सेठानी – तो क्या उठने में इतनी देर लगती है।

●●●●●●●

कंबो शहर की यात्रा

एक दिन कौमी कौआ काफी दिनों बाद अपने गांव आया। गांव में सभी पक्षियों ने उसका खूब स्वागत किया। कौमी में एक आदत थी कि जब भी वह गांव जाता तो अपने सभी दोस्तों के लिए कुछ न कुछ खाने की चीज साथ लेकर जरूर जाता। इस बार वह पिज्जा लेकर गया, जिसका स्वाद चखकर सभी पक्षियों को आनंद आ गया। पिज्जा खाकर कोबू कबूतर बोला– 'भई कौमी, यह तो तू कमाल की चीज लेकर आया है। इसमें जो स्वाद है, ऐसा स्वाद हमने कहीं नहीं चखा। इससे पहले तू पास्ता लेकर आया था। वह भी गजब की चीज थी! वैसे बड़ा मजा आता है शहर में रहने का। वहां अच्छी-अच्छी चीजें मिलती हैं खाने की। अब तो तेरे साथ मैं भी कंबो शहर चलूंगा।' कोबू कबूतर की बात सुनकर कौमी ने हां कहते हुए अपना सिर हिलाया।

कौमी जब भी कंबो शहर से गांव आता तो मैकू मोर उससे कहता कि इस बार तो अपने साथ ले चल। पर कौमी हर बार मैकू को कोई बहाना बनाकर टाल देता था। कौमी मन में सोचता–इतना भारी–भरकम शरीर है। कंबो शहर में इसका गुजारा करना मुश्किल हो जाएगा। एक तो वहां भीड़भाड़ बहुत है और पेड़ों की कमी है। जो भी पेड़ बचे हैं वो भी एक–एक कर कटते जा रहे हैं। मेरा ही वहां रहना मुश्किल हो रहा है। मैं जिस पेड़ पर रहता हूं, वह भी किसी दिन कट जाएगा, क्योंकि वहां पर कोई बड़ी बिल्डिंग बनाई जाएगी। मेरा क्या, मैं तो किसी की छत पर फुर्र से उड़कर चला जाऊंगा। किसी रास्ते से भी भोजन उठा लूंगा। पर मैकू मोर ये सब नहीं कर पाएगा। लेकिन कैसे समझाऊं मैकू को।

तभी फुदकती हुई गौरी गौरैया आ धमकी। बोली– 'पिज्जा बहुत अच्छा था। अगली बार भी लेकर आना।'

'जरूर लाऊंगा। इससे भी अच्छी चीज लेकर आऊंगा।' कौमी ने कहा।

गौरी गौरैया भी बहुत दिनों से सोच रही थी कि कौमी के साथ कंबो शहर घूमकर आए। हर बार कोई न कोई काम उसे लगा ही रहता था। इस बार वह कौमी के साथ पक्का जाएगी, यह सोचकर कौमी से बाली– 'कौमी भइया, आप तो खूब घूमते रहते हैं और हम यहां से कहीं घूमने ही नहीं जा पाते। इस बार हमें भी कंबो घुमाने अपने साथ ले चलो न।' कौमी बोला– 'जरूर ले चलूंगा। तुम्हें तो देखकर वहां लोग बहुत खुश होंगे।'

उधर तारू तोता भी कौमी के साथ चलने के लिए तैयार हो गया। पिछली बार जब कौमी आया था तो उसने वादा किया था कि अगली बार वह तारू को जरूर लेकर जाएगा। कौमी ने कोबू कबूतर, गौरी गौरैया और तारू तोता को अपने साथ ले चलने के लिए तो कह दिया, लेकिन सोच में पड़ गया कि वहां जाकर ये लोग परेशान न हो जाएं। अगले दिन चारों दोस्त तैयार होकर कंबो शहर चल दिए। दिन भर उड़ान भरी और शाम को शहर पहुंच गए। गौरी शरीर में बहुत छोटी थी, इसलिए ज्यादा थक गई। उसे जल्दी से नींद आ गई। अगले दिन सुबह कौमी के साथ वे तीनों दोस्त घूमने के लिए निकले। पूरे शहर का चक्कर लगाया। ऊंची–ऊंची बिल्डिंग, हर जगह भीड़–भाड़ और शोर–शराबा। इस तरह का माहौल उन्होंने कहीं नहीं देखा था। कौमी जहां रहता था, वहीं थोड़ी–बहुत हरियाली थी। उसके पास में रिहायशी इलाका था और उससे आगे काफी दूर तक बहुत सारी फैक्टरी थीं। दूसरे दिन कौमी को अपने काम पर जाना था। उसने दोस्तों से कहा कि आज तुम लोग खुद घूमो। तीनों दोस्त पास के रिहायशी इलाके में घूमने चल दिए। गौरी गौरैया एक मकान की छत पर चली गई। उस छत पर कई छोटे–छोटे बच्चे खेल रहे थे। उन्होंने छोटी गौरैया को देखा तो बहुत खुश हुए। मौनू ने पहली बार इतनी छोटी गौरैया को देखा था। उसने तुरंत अपनी मम्मी को आवाज लगाई– 'मॉम, देखो हमारी छत पर कितनी छोटी चिड़िया आई है।' मॉम तुरंत दौड़कर आईं और बोलीं– यह चिड़िया तो यहां दिखाई ही नहीं देती है, कई सालों पहले देखी थी। इसके लिए एक बर्तन में पानी लाओ और कुछ खाने को दो। कितनी सुन्दर चिड़िया है ये! मौनू तुरंत एक बर्तन में पानी भरकर ले आया। साथ में कुछ ब्रेड, बिस्किट के टुकड़े लाया और उसके सामने रख दिए और मम्मी के साथ दूर जाकर खड़ा हो गया। गौरी ने फुदक–फुदक कर बिस्किट और ब्रेड खाए और पानी पीकर उड़ गई।

उधर कोबू कबूतर घूमने निकला तो उसे एक स्थान पर बहुत सारे कबूतर दिखाई दिए, जो वहां पड़े अनाज को खा रहे थे। कोबू भी उनमें जा मिला और खूब छक कर अनाज खाया। तारू तोता भी वहां इधर–उधर घूमा। घरों की छतों पर खूब चक्कर लगाए। वहां कुछ खाने का भी सामान मिला, लेकिन फल खाने को नहीं मिले, क्योंकि वहां फलों के पेड़ ही नहीं थे। उसे प्यास लगी, तो पास में ही नाली में गंदा पानी बह रहा था। प्यास सहन न होने की वजह से उसे वही पानी पीना पड़ा। पानी पीकर उसे चक्कर आने लगे। वह पास की ही छत पर उड़ते हुए गिर पड़ा। छत पर एक बच्चा खेल रहा था। उसने अपनी मॉम को बुलाया तो उन्होंने उसे पकड़कर थोड़ी देर छाया में रखा, उसके बाद उसे पानी पिलाया। थोड़ी देर में होश आने के बाद वह उड़ गया और कौमी के घर आ गया। कौमी को जब यह बात पता लगी तो बहुत दुखी हुआ। उसने तीनों दोस्तों से कहा कि कोई भी नाली का पानी न पिए। यह बहुत खतरनाक है। शहर में कहीं साफ पानी दिखाई ही नहीं देता था सिवाय नाली और नालों के। छतों पर पक्षियों के प्रति दयालु लोग ही पानी रख देते हैं।

तीन–चार दिन कौमी के दोस्त खूब घूमे–फिरे, लेकिन उन्हें वहां रहकर संतुष्टि नहीं हुई। वह कौमी से वापस अपने गांव जाने की बात कहने लगे। कौमी ने कहा, दोस्तों, कुछ दिन और रहो। लेकिन तीनों घूम–घूम कर और वहां के वातावरण को देखकर परेशान हो गए थे। गांव में तो वे बहुत दूर–दूर तक घूमने चले जाते थे। साफ पानी की वहां कमी नहीं थी, जगह–जगह नहर व तालाब आदि थे। फलों की कोई कमी नहीं थी। बाग–बगीचे बहुत थे, पर शहर में ये सब कहां? चारों तरफ मकान ही मकान थे और जगह–जगह गंदगी युक्त नालिओं में बहुता हुआ पानी। खैर, एक दिन कौमी के साथ तीनों दोस्त अपने गांव वापस आ गए। गांव आकर उन्होंने राहत की सांस ली। जब उन्होंने कौमी से पूछा कि दोस्त तुम वहां ऐसे वातावरण में कैसे रह लेते हो, तो कौमी कहता– क्या करें, हमें तो वहां की आदत हो गई है। जो जहां रहता है, उसे वहीं की आदत पड़ जाती है।

हवाई जहाज की कहानी

दोस्तों, आसमान में ऊंची उड़ान भरते हवाई जहाज को तुमने कई बार देखा ही होगा। पर क्या तुम यह जानते हो कि इसे कब बनाया था और किसने बनाया था? आखिर किसके मन में इसे बनाने का ख्याल आया था। इसे बनाने के पीछे क्या प्रेरणा थी? नहीं पता, कोई बात नहीं। आज हम तुम्हें बताते हैं हवाई जहाज का इतिहास।

इसे सबसे पहले बनाया था राइट ब्रदर्स ने। विल्वर और ओरविल में केवल चार साल का अंतर था। जिस समय उन्हें हवाई जहाज बनाने का ख्याल आया, उस समय विल्वर सिर्फ 11 साल का था और ओरविल की उम्र थी 7 साल। हुआ यूं कि एक दिन उनके पिता उन दोनों के लिए एक उड़ने वाला खिलौना लाए। यह खिलौना बांस, कॉर्क, कागज और रबर के छल्लों का बना था। इस खिलौने को उड़ता देख विल्वर और ओरविल के मन में भी आकाश में उड़ने का विचार आया। उन्होंने निश्च किया कि वे भी एक ऐसा खिलौना बनाएंगे।

इसके बाद वे दोनों एक के बाद एक कई मॉडल बनाने में जुट गए। अंततः उन्होंने जो मॉडल बनाया, उसका आकार एक बड़ी पतंग सा था। इसमें ऊपर तख्ते लगे हुए थे और उन्हीं के सामने छोटे–छोटे दो पंखे भी लगे थे। जिन्हें तार से झुकाकर अपनी मर्जी से ऊपर या नीचे ले जाया जा सकता था। बाद में इसी यान में एक सीधी खड़ी पतवार भी लगाई गई। इसके बाद राइट भाइयों ने अपने विमान के लिए 12 हॉर्सपावर का एक पेट्रोल इंजन बनाया और इसे वायुयान की निचली लाइन के दाहिने और निचले पंख पर फिट किया और बाईओर पायलट के बैठने की सीट बनाई। राइट बंधुओं के प्रयोग काफी लंबे समय तक चले। तब तक वे काफी बड़े हो गए थे और अपने विमानों की तरह उनमें भी परिपक्वता आ गई थी। आखिर में 1903 में 17 दिसम्बर को उन्होंने अपने वायुयान का परीक्षण किया। पहली उड़ान ओरविल ने की। उसने अपना वायुयान 36 मीटर की ऊंचाई तक उड़ाया। इसी यान से दूसरी उड़ान विल्वर ने की। उसने हवा में लगभग 200 फुट की दूरी तय की। तीसरी उड़ान फिर ओरविल ने और चौथी और अन्तिम उड़ान फिर विल्वर ने की। उसने 850 फुट की दूरी लगभग 1 मिनट में तय की। यह इंजन वाले जहाज की पहली उड़ान थी। उसके बाद नए–नए किस्म के वायुयान बनने लगे, पर सबके उड़ने का सिद्धांत एक ही है।

सच्चे सुख की प्राप्ति

एक बार स्वामी रामदास जी भिक्षा मांगते हुए किसी घर के सामने खड़े हुए और उन्होंने आवाज लगाई रघुवीर समर्थ! घर की स्त्री बाहर आई। उसने उनकी झोली में भिक्षा डाली और कहा, महात्मा जी कोई उपदेश दीजिए।
स्वामी रामदास जी बोले, आज नहीं कल दूंगा।
दूसरे दिन स्वामी रामदास जी ने पुनः उस घर के सामने आवाज लगाई रघुवीर समर्थ ! उस घर की स्त्री ने उस दिन खीर बनाई थी। वह खीर का कटोरा लेकर बाहर आई। स्वामी जी ने अपना कमंडल आगे कर दिया। वह स्त्री जब खीर डालने लगी तो उसने देखा कि कमंडल में कूड़ा भरा है। उसके हाथ ठिठक गए वे बोली, महाराज कमंडल तो गंदा है।
स्वामी रामदास जी बोले, हां गंदा तो है किंतु खीर इसमें डाल दो।
स्त्री बोली, नहीं महाराज तब तो खीर खराब हो जाएगी। कमंडल दें मैं धो लाती हूं। स्वामी जी बोले, मतलब जब कमंडल साफ होगा तभी खीर डालोगी।
स्त्री बोली, जी महाराज
स्वामी जी बोले, मेरा भी यही उपदेश है। मन में जब तक चिंताओं का कूड़ा करकट और बुरे संस्कार रूपी गोबर भरा है। तब तक उपदेशामृत का कोई लाभ नहीं होगा। यदि उपदेशामृत प्राप्त करना है तो प्रथम अपने मन को शुद्ध करना चाहिए, कुसंस्कारों का त्याग करना चाहिए, तभी सच्चे सुख और आनंद की प्राप्ति होगी। मन साफ हो स्वच्छ हो तभी वह आनंद की अनुभूति कर सकता है।

सफलता के रास्ते

एक गरीब युवक अपनी गरीबी से परेशान होकर अपना जीवन समाप्त करने नदी पर गया। वहां एक साधू ने उसे ऐसा करने से रोक दिया। साधु ने युवक की परेशानी को सुन कर कहा कि, मेरे पास एक विद्या है। जिससे ऐसा जादुई घड़ा बन जाएगा तुम जो भी इस घड़े से मांगोगे वह पूरा हो जाएगा, पर जिस दिन यह घड़ा फूट गया, उसी समय जो कुछ भी इस घड़े ने तुम्हें दिया है वह सब गायब हो जाएगा। अगर तुम मेरी 2 साल तक सेवा करो तो ये घड़ा मैं तुम्हे दे सकता हूं और अगर 5 साल तक तुम मेरी सेवा करो तो मैं ये घड़ा बनाने की विद्या तुम्हें सिखा दूंगा। बोलो तुम क्या चाहते हो ?
युवक ने कहा, महाराज मैं तो 2 साल ही आप की सेवा करना चाहूंगा। मुझे तो जल्द से जल्द बस ये घड़ा चाहिए मैं इसे बहुत संभाल कर रखूंगा कभी फूटने ही नहीं दूंगा। इस तरह 2 साल सेवा करने के बाद युवक ने वो जादुई घड़ा प्राप्त कर लिया और अपने घर पहुंच गया। उसने घड़े से अपनी हर इच्छा पूरी करवानी शुरू कर दी। महल बनवाया, नौकर चाकर मांगे आदि। सभी को अपनी शान शौकत दिखाने लगा, सभी को बुला–बुला कर दावतें देने लगा और बहुत ही विलासिता का जीवन जीने लगा।
उसने शराब भी पीनी शुरू कर दी और एक दिन नशे में घड़ा सिर पर रख नाचने लगा और ठोकर लगने से घड़ा गिर गया और फूट गया। घड़ा फूटते ही सब कुछ गायब हो गया। अब युवक सोचने लगा कि, काश! मैंने जल्दबाजी न की होती और घड़ा बनाने की विद्या सीख ली होती। तो आज मैं फिर से कंगाल न होता।

याद रखो... *ईश्वर हमें हमेशा दो रास्तों पर रखता है एक आसान, जल्दी वाला और दूसरा थोड़ा लम्बे समय वाला पर गहरे ज्ञान वाला। ये हम पर निर्भर करता है कि हम किस रास्ते पर चलें। कोई भी काम जल्दी में करना अच्छा नहीं होता बल्कि उसके विषय में गहरा ज्ञान आपको अनुभवी बनाता है।*

संक्षिप्त समाचार

उत्तर कोरिया में आया भूकंप, रिक्टर स्केल पर 3.9 रही तीव्रता

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया में गुरुवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। कोरिया मौसम विज्ञान प्रशासन (केएमए) के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.9 थी। दक्षिण कोरिया की मौसम एजेंसी ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि चीन की सीमा से सटे उत्तर कोरिया के जगंग प्रांत में 3.9 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप स्थानीय समयानुसार गुरुवार शाम 7 :41 बजे आया। कोरिया मौसम विज्ञान प्रशासन (केएमए) ने कहा कि भूकंप का केंद्र 40.54 डिग्री उत्तर और 126.75 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि भूकंप के कारण जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। दक्षिण कोरिया की राज्य मौसम एजेंसी के अनुसार, इससे पहले 17 जनवरी, 2024 को उत्तर कोरिया के परमाणु परीक्षण स्थल के पास 2.4 तीव्रता का भूकंप आया था। हालांकि, इस दौरान नुकसान की कोई खबर नहीं मिली थी। भूकंप के झटके किल्जू के उत्तर-पश्चिम से करीब 41 किलोमीटर (25 मील) की दूरी पर महसूस किए गए थे। यह क्षेत्र उत्तर कोरिया के परमाणु परीक्षण स्थल के पास है। कोरिया मौसम विज्ञान प्रशासन के अनुसार, भूकंप शाम 7 :00 बजे के आसपास आया और इसकी गहराई 20 किलोमीटर (12 मील) नीचे थी। उल्लेखनीय है कि उत्तर कोरिया ने 2006 और 2017 के बीच छह परमाणु परीक्षण किए हैं। 2017 के परमाणु परीक्षण के कारण 6.3 तीव्रता का एक बड़ा भूकंप आया था, जिसके झटके चीन की सीमा तक महसूस किए गए थे।

व्हाइट हाउस में जल्द बाइडन से मिलेंगे जेलेंस्की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन 26 सितंबर को अपने यूक्रेनी समकक्ष वोलोदिमिर जेलेंस्की से व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। उप राष्ट्रपति कमला हैरिस भी व्हाइट हाउस में उनके साथ अलग से बैठक करेंगी। दोनों पक्षों के नेता इस दौरान रूस और यूक्रेन युद्ध की स्थिति पर चर्चा करेंगे। इस दौरान यूक्रेन की रणनीतिक योजना और रूसी आक्रामकता के खिलाफ कीव की रक्षा में अमेरिका के समर्थन पर भी बातचीत होगी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन जीन-पियरे ने एक बयान में जानकारी दी।

हैरिस को जुलाई की अपेक्षा अब वोटरों का अधिक समर्थन : सर्वे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के जुलाई में राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल होने के मुकाबले उन्हें अब मतदाताओं का ज्यादा समर्थन मिल रहा है। एपी-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च के एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग आधे मतदाता हैरिस के बारे में बहुत सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं, जबकि 44न्न मतदाता ऐसे हैं जो उनके बारे में नकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। वहीं, लगभग 10 में से छह मतदाता ट्रंप के खिलाफ विचार रखते हैं, जबकि उनके समर्थन में 10 में से सिर्फ चार मतदाता ही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की ओर से जुलाई में राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ से अपना नाम वापस लेने और कमला हैरिस को समर्थन देने के बाद से अब लोग उपराष्ट्रपति का समर्थन करते हुए नजर आ रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर 39 अफगान दूतावासों पर तालिबान का नियंत्रण

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान पर कब्जा करने और पिछली पश्चिमी देशों से समर्थित सरकार के पतन के तीन वर्ष बाद तालिबान प्रशासन का नियंत्रण वैश्विक स्तर पर 39 अफगानिस्तानी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों पर हो गया है। किसी भी अंतरराष्ट्रीय सरकार ने औपचारिक रूप से तालिबान प्रशासन को मान्यता नहीं दी है। हालांकि, चीन और यूएई ने अपनी राजधानियों में उसके राजदूतों को स्वीकार कर लिया है। कई सरकारों, विशेष रूप से अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने कहा है कि तालिबान की किसी भी औपचारिक मान्यता का रास्ता तब तक अटका रहेगा जब तक कि वे महिलाओं के अधिकारों पर अपना रुख नहीं बदलते। उन्हें लड़कियों व महिलाओं के लिए हाईस्कूल और विश्वविद्यालय फिर से खोलने और उन्हें पूरी आजादी देने की कार्रवाई तक यह मान्यता नहीं मिलेगी।

वैश्विक दक्षिण को भविष्य के लिए भारत पर भरोसा : इंगा रोंडा किंग

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में कैरेबियाई देश की राजदूत इंगा रोंडा किंग ने कहा कि बहुपक्षीय भागीदारी के प्रति भारत का दृष्टिकोण परस्पर सम्मान और एकजुटता पर आधारित है। उन्होंने कहा, भारत बेहतर भविष्य को आकार देने में योगदान देने के लिए वैश्विक दक्षिण पर भरोसा करता है। इंगा रोंडा किंग ने कहा, आज ग्लोबल साउथ में महत्वपूर्ण नेताओं में से एक आपका बेहतरीन देश भारत है। संयुक्त राष्ट्र में सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस की स्थायी प्रतिनिधि इंगा रोंडा किंग सेंटर फॉर ग्लोबल इंडिया इनसाइट्स व इंडिया राइट्स नेटवर्क की ओर से बोल रही थीं। किंग ने कहा कि बहुपक्षीय जुड़ाव के प्रति भारत का दृष्टिकोण आपसी सम्मान, एकजुटता पर आधारित है। उन्होंने कहा, आज, वैश्विक दक्षिण भविष्य को आकार देने में योगदान के लिए भारत के दृष्टिकोण पर भरोसा करता है।

इजराइल की लेबनान पर सबसे बड़ी एयरस्ट्राइक : 70 से ज्यादा हमले

हिजबुल्लाह के 1000 राकेट बैरल तबाह ; हथियार डिपो भी बर्बाद हुआ

बेरूत, एजेंसी। लेबनान में पिछले तीन दिन से पेजर, वॉकी-टॉकी और फिर सोलर एनर्जी सिस्टम में धमाकों के बाद इजराइल ने गुरुवार रात दक्षिणी लेबनान में 70 हवाई हमले किए हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक गाजा युद्ध शुरू होने के बाद इजराइल का लेबनान पर ये सबसे बड़ा हमला था। इजराइल डिफेंस फोर्स ने कहा कि उन्होंने लेबनान में हिजबुल्लाह के 100 से ज्यादा रॉकेट लॉन्चर्स पर हमला कर उन्हें बर्बाद कर दिया है। इसके अलावा 1000 रॉकेट बैरल भी तबाह कर दिए। आईडीएफ ने कहा कि हिजबुल्लाह इन हथियारों से इजराइल पर हमले की तैयारी में था। इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह की कई इमारतों और एक हथियार डिपो को भी तबाह करने का दावा किया। इससे पहले लेबनान में 17-18 सितंबर को पेजर और वॉकी-टॉकी में धमाके हुए थे। इनमें 37 लोगों की मौत हो गई थी और 2300 लोग घायल हुए थे। लेबनान और हिजबुल्लाह ने इन हमलों के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया है। हिजबुल्लाह चीफ ने सीरियल धमाकों को बताया जंग का ऐलान लेबनान पर हमले की शुरुआत तब हुई जब

हिजबुल्लाह के चीफ हसन नसरल्लाह पेजर और वॉकी-टॉकी ब्लास्ट के बाद अपना पहला भाषण दे रहे थे। उनके भाषण के बाद भी देर रात तक इजराइली सेना ने लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमले किए। अपने भाषण में नसरल्लाह ने धमाके में मारे गए लोगों के प्रति दुख जताया था। हिजबुल्लाह चीफ ने कहा था कि इजराइल ने इन हमलों के साथ सारी हदें पार कर दी हैं। यह जनसंहार लेबनान के लोगों के खिलाफ इजराइल की जंग की शुरुआत है। नसरल्लाह ने इजराइल को धमकी देते हुए कहा कि पिछले दो दिनों में जो हमले हुए उसके लिए उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी। अगर इजराइली सैनिक दक्षिणी लेबनान में घुसते हैं तो ये हिजबुल्लाह के लिए बदला लेने का ऐतिहासिक मौका होगा। नसरल्लाह के भाषण के बीच बेरूत के आसमान में थे इजराइल फाइटर जेट नसरल्लाह जब यह भाषण दे रहे थे तब भी इजराइल के 3 फाइटर जेट बेरूत के आसमान में उड़कर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहे थे। पिछले कुछ दिनों में इजराइल के अधिकारियों ने लगातार इस बात के संकेत दिए हैं कि उनका ध्यान अब गाजा पट्टी पर हमास से हटकर लेबनान में हिजबुल्लाह की तरफ शिफ्ट हो रहा है। इजराइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने भी कहा था कि वे अब युद्ध के नए चरण में पहुंच गए हैं। वहीं लेबनान में पेजर, वॉकी-टॉकी धमाकों के बाद इजराइल ने गाजा से अपने कई सैनिकों को नार्थ इजराइल में लेबनान के साथ सटी सीमा पर तैनात कर दिया था।

माली में इस्लामी आतंकियों ने यूएन के चार्टर्ड प्लेन को किया तबाह

बामाको, एजेंसी। माली की राजधानी बामाको में एक चिंताजनक घटनाक्रम में इस्लामी आतंकवादियों ने एक सैन्य प्रशिक्षण शिविर और शहर के हवाई अड्डे पर हमला किया है। हिंसा के इस निर्लज्ज कृत्य के परिणामस्वरूप दक्षिण अफ्रीकी विमानन कंपनी, नेशनल एयरवेज कॉरपोरेशन (एनएसी) के स्वामित्व वाला एक विमान क्षतिग्रस्त हो गया। यह विमान विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के तहत मानवीय प्रयासों में लगे अभियान के लिए था। हालांकि, इसे हमले के बाद एनएसी ने पुष्टि की है कि उनके चालक दल और कर्मचारी सुरक्षित हैं और उन्हें एक दूर सुरक्षित जगह पर ले जाया गया है। कंपनी ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और माली के नागरिकों की सहायता करने के उनके मिशन की मार्मिक विडंबना को उजागर किया, जो इस तरह की हिंसा से प्रभावित है। एनएसी ने दुख जताते हुए कहा, यह एक दुखद स्थिति है कि माली के नागरिकों के समर्थन में विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के तहत मानवीय कार्य करते समय हमारी संपत्ति एक साथी अफ्रीकी देश में क्षतिग्रस्त और नष्ट हो जाती है। माली, बुर्किना फासो और नाइजर के साथ, एक दशक से अधिक समय से अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट से जुड़े विभिन्न सशस्त्र समूहों के साथ घातक संघर्ष में उलझा हुआ है। इन देशों में हाल ही में हुए सैन्य तख्तापलट ने सुरक्षा परिदृश्य को और जटिल बना दिया है, सरकारों ने फ्रांसीसी सेना को खदेड़ दिया है और रूसी भाड़े के समूहों से सहायता मांगी है। इन प्रयासों के बावजूद, जिहादी हमलों में वृद्धि, विशेष रूप से मध्य और उत्तरी माली में, क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। उल्लेखनीय रूप से जुलाई में एक घटना में लगभग 50 रूसी भाड़े के सैनिक अल-कायदा के घात का शिकार हुए। अधिकारियों के अनुसार, बामाको में हुए हमले जो अपेक्षाकृत कम होते हैं।

दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया से हिरासत में लिए गए लोगों की रिहाई की मांग की

सोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्री किम जंग-हो ने शुक्रवार को उत्तर कोरिया से एक दक्षिण कोरियाई मिशनरी और पांच अन्य नागरिकों को तत्काल और बिना शर्त वापस भेजने का आह्वान किया। उन्होंने उत्तर कोरिया द्वारा वर्षों से मनमाने ढंग से हिरासत में रखने की निंदा करते हुए इसे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन का मामला बताया। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया के शीर्ष अधिकारी ने मिशनरी किम जंग-वुक की 2013 में प्योंगयांग में गिरफ्तारी के 4,000 दिन पूरे होने पर एक बयान जारी किया। दक्षिण कोरिया की जासूसी एजेंसी के लिए जासूसी करने के आरोप में उन्हें आजीवन कठोर श्रम की सजा सुनाई गई थी। साल 2014 में किम कूक-की और चोई चुन-गिल दो अन्य दक्षिण कोरियाई मिशनरियों को भी इसी तरह के आरोपों में उत्तर कोरिया में हिरासत में लिया गया था। किम ने दक्षिण कोरिया के आधिकारिक नाम कोरिया गणराज्य के संक्षिप्त नाम का प्रयोग करते हुए बयान में कहा, आरओके सरकार उत्तर कोरिया के अवैध और मानवाधिकार उल्लंघनों की निंदा करती है तथा उत्तर कोरिया से, जो प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार समझौतों का एक पक्ष है।

श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव आज:सर्वे में चीन समर्थक अनुरा दिसानायके सबसे आगे

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में शनिवार को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। हालिया सर्वे के मुताबिक नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अनुरा कुमारा दिसानायके रेस में सबसे आगे हैं। वे चीन समर्थक माने जाते हैं। अनुरा ने वादा किया है कि जीतने के बाद वे अडानी के प्रोजेक्ट को रद्द कर देंगे। अनुरा के अलावा रेस में 3 और बड़े उम्मीदवार हैं। सर्वे में विपक्षी नेता सजित प्रेमदासा दूसरे नंबर पर हैं। मौजूदा राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे उनसे भी पीछे तीसरे नंबर पर चल रहे हैं। इस रेस में पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे नमल राजपक्षे भी हैं। सर्वे में उनके जीतने की संभावना भी कम बताई गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रीलंका में 2 साल पहले का आर्थिक संकट लोगों के जेहन में अभी भी है। यही वजह है कि पिछले दो दशक से देश का सबसे बड़ा परिवार 'राजपक्षे' रेस से बाहर होता दिख रहा है। भारत विरोध के लिए जाने जाते थे अनुरा, अब दोस्ती बढ़ाई अनुरा कुमारा दिसानायके वामपंथी पार्टी जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) के नेता हैं। वे एनपीपी गठबंधन से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक जेवीपी पार्टी भारत विरोध के लिए जानी जाती है। 1980 के दशक में भारत ने श्रीलंका में लिट्टे से निपटने के लिए पीस कीपिंग फोर्स को भेजने का फैसला लिया था। तब जेवीपी ने इसका विरोध किया था। हाल के कुछ सालों में जेवीपी ने अपना भारत विरोधी रुख बदला है। हालांकि, अनुरा ने चुनाव से पहले

भारतीय कंपनी अडानी के खिलाफ बयान देकर एक नया विवाद शुरू कर दिया है। जेवीपी नेता ने हाल में ही वादा किया है कि वे 21 सितंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में जीत जाते हैं तो श्रीलंका में अडानी ग्रुप की पवन ऊर्जा परियोजना को रद्द कर देंगे। अनुरा का कहना है कि अडानी प्रोजक्ट श्रीलंका की ऊर्जा संप्रभुता के लिए खतरा है। अडानी ग्रुप ने इसी साल श्रीलंकाई सरकार से विंड पॉवर स्टेशन डेवलप करने को लेकर डील की है। इसके लिए कंपनी 442 मिलियन डॉलर (करीब 367 करोड़) निवेश करने वाली है। भ्रष्टाचार के खिलाफ बयान देकर युवाओं में लोकप्रिय हुए अनुरा पिछले 4 साल में अनुरा दिसानायके और एनपीपी की लोकप्रियता में काफी उछाल आया है। आर्थिक सुधार और सामाजिक समानता के लिए श्रीलंका के लोगों को एनपीपी से बहुत सारी उम्मीदें हैं, क्योंकि यह पहले कभी भी सत्ता में नहीं रही है इसलिए लोगों को उस पर ज्यादा भरोसा है। अनुरा कुमार दिसानायके युवाओं के बीच काफी पॉपुलर हैं। एनपीपी की बढ़ती लोकप्रियता का एक और मुख्य कारण भ्रष्टाचार से लड़ने का वादा भी है। अनुरा अपने हर कैंपन में श्रीलंका को भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाने का वादा कर रहे हैं। युवाओं को लग रहा है कि देश की आर्थिक स्थिति खराब होने की मुख्य वजह भ्रष्टाचार है। पार्टी ने मजबूत अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर भी काम किया है। चीन और भारत श्रीलंका के दो प्रमुख आर्थिक साझेदार हैं। इसी तरह, एनपीपी के एक प्रतिनिधिमंडल ने फरवरी 2024 में भारत का दौरा किया और विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सहित वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों से मुलाकात की थी। निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं रानिल विक्रमसिंघे रानिल विक्रमसिंघे ने आगामी राष्ट्रपति चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने श्रीलंका की दक्षिणपंथी पार्टी यूनाइटेड नेशनलिस्ट पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

कुष्ठ रोग को खत्म करने वाला दुनिया में पहला देश बना जॉर्डन : डब्ल्यूएचओ

अम्मान, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने गुरुवार को जॉर्डन को कुष्ठ रोग को खत्म करने वाला दुनिया का पहला देश घोषित किया। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने कहा, डब्ल्यूएचओ जॉर्डन को इस प्रभावशाली उपलब्धि के लिए बधाई देता है। कुष्ठ रोग ने हजारों सालों से मानवता को पीड़ित किया है, लेकिन हम देश-दर-देश इसके संक्रमण को रोक रहे हैं और व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों को इसके दुख और कलंक से मुक्त कर रहे हैं।

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि जॉर्डन ने दो दशकों से अधिक समय से कुष्ठ रोग के किसी भी मामले की सूचना नहीं दी है। वैश्विक स्वास्थ्य निकाय ने इस सफलता का श्रेय मजबूत राजनीतिक प्रतिबद्धता और प्रभावी सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों को दिया। डब्ल्यूएचओ ने कुष्ठ रोग के उन्मूलन की पुष्टि करने में स्वास्थ्य मंत्रालय की रुचि के बाद इस स्थिति का आकलन करने के लिए एक स्वतंत्र टीम को नियुक्त करने के बाद यह घोषणा की। डब्ल्यूएचओ के वैश्विक कुष्ठ रोग कार्यक्रम की प्रमुख

दक्षिण-पूर्व एशिया की डब्ल्यूएचओ क्षेत्रीय निदेशक साइमा वाजेद ने कहा, जॉर्डन द्वारा सदियों पुरानी इस बीमारी का उन्मूलन सार्वजनिक स्वास्थ्य में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है और वैश्विक स्तर पर कुष्ठ रोग को खत्म करने के प्रयासों के लिए एक बड़ी सफलता है।

वाजेद ने कहा कि सिर्फ़ एक बीमारी नहीं, बल्कि कुष्ठ रोग कलंक और मनोवैज्ञानिक तथा सामाजिक-आर्थिक नुकसान के खिलाफ़ एक लड़ाई भी है। बता दें कि कुष्ठ रोग माइकोबैक्टीरियम लेप्री के कारण होने वाला एक संक्रामक रोग है, जो अनुपचारित रोगियों के साथ नज़दीकी और लगातार संपर्क के दौरान नाक और मुंह से निकलने वाली बूंदों के जरिए फैल सकता है। इसे हैनसेन रोग के रूप में भी जाना जाता है, और यह मुख्य रूप से त्वचा, परिधीय तंत्रिकाओं, ऊपरी श्वसन पथ की म्यूकोसल सतहों और आंखों को प्रभावित करता है। कुष्ठ रोग मल्टी ड्रग थेरेपी (एमडीटी) से ठीक हो सकता है और जल्दी निदान और उपचार से विकलांगता को रोका जा सकता है।

दक्षिण कोरिया में महिला ने 40 साल बाद जबरन गोद लेने की शिकायत दर्ज करवाई

सियोल, एजेंसी। पश्चिमी देशों में दक्षिण कोरियाई बच्चों को गोद लेने का फैशन चल गया गया है। इसे देखते हुए दक्षिण कोरिया के अस्पतालों में जबरन बच्चों को विदेश भेज देने का काला धंधा भी चल रहा है। यूरी किम नाम की एक महिला ने 40 साल बाद जबरन गोद लेने की शिकायत दर्ज करवाई है। उन्होंने कहा कि उन्हें दुनिया के दूसरे कोने से उठाकर फ्रांस लाया गया था। उन्होंने बताया कि वह अपने देश में स्कूल में पढ़ती थीं। पढ़ाई में वह काफी तेज थीं। वह अपने माता-पिता को बेहद प्यार करती थीं। हालांकि 1984 में उन्हें अनाथ घोषित कर दिया गया। इसके बाद उन्हें फ्रांस भेज दिया गया।

यूरी ने कहा कि जिन लोगों ने उन्हें गोद लिया वे बेहद लापरवाह थे। उन्होंने कोई सवाल नहीं किया। यह भी जानने की कोशिश नहीं की कि वह कहां की रहने वाली हैं। मेरे माता-पिता जीवित हैं या नहीं। यूरी किम एक अडॉप्शन मशीन में फंस गई थीं जिसके माध्यम से कोरिया के बच्चों को उनके परिवारों से अलग करके यूएस, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया भेज दिया जाता है। बालिग होने के बाद बहुत सारे लोगों को पता चला कि उनका अडॉप्शन सर्टिफिकेट भी जाली था।

असोसिएट प्रेस ने कहा कि दक्षिण कोरिया भी इस गोरखधंधे को लेकर लापरवाह है और अपनी आंखें बंद किए हुए हैं। दस्तावेज बताते हैं कि दक्षिण कोरिया

की अडॉप्शन एजेंसियां भी आपस में होड़ लगाती है। ऐसे में वे किसी तरह से फर्जी दस्तावेज बनवाकर, मां-बाप को बरगलाकर बच्चों को विदेश भेज देती हैं। कई बार अस्पताल रिश्वत लेते हैं। या फिर बच्चों की मां से झूठ बोल दिया जाता है। पश्चिमी देशों में बच्चों को गोद लेने की संख्या लगातार बढ़ रही है।

एपी की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के 80 से ज्यादा गोद लिए गए लोगों से बात की गई। पता चला कि इनमें से ज्यादातर लोगों को किडनैप या फिर लापता घोषित कर दिया गया था। इसके बाद उनके मां बाप बदल गए। कई केसों में बच्चो के मां बाप को बताया गया कि उनका बच्चा बेहद बीमार था और उसकी मौत हो गई। नीदरलैंड्स ने इसका संज्ञान लेते हुए ऐलान किया है कि अब वह अपने नागरिकों को विदेश से गोद लेने की अनुमति नहीं देगा।

कमला हैरिस को हॉलीवुड से मिल रहा एकतरफा समर्थन, ओपेरा शो में गन कल्चर को लेकर दिया बड़ा बयान

मिशिगन, एजेंसी। अमेरिका में इस साल नंबवर में होने वाला राष्ट्रपति चुनाव दिनों-दिन दिलचस्प होता जा रहा है। हॉलीवुड के सेलिब्रिटी लगातार अपने पसंदीदा उम्मीवार के सपोर्ट में उतर रहे हैं। डेमोक्रेट की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस को टेलर स्विफ्ट के बाद अब मीडिया मुगल ओपरा विन्फ्रे का भी समर्थन मिल गया है। कमला हैरिस प्रेसिडेंट की रेस में लगातार आगे बढ़ती जा रही हैं।

मिशिगन में आयोजित अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के चुनावी कार्यक्रम में मीडिया दिग्गज ओपरा विन्फ्रे ने हिस्सा लिया है। इस कार्यक्रम में आब्रजन से लेकर अर्थव्यवस्था, प्रजनन अधिकारों और बंदूक हिंसा की रोकथाम जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। हैरिस ने एक्स पर एक पोस्ट कर लिखा कि, इस चुनाव में अमेरिकियों के दिमाग में जो मुद्दे हैं, उनके बारे में सीधे बात करने के लिए टाउन हॉल में ओपरा का साथ होना बहुत अच्छा है। कमला हैरिस बोलीं-हमें तय करना है अमेरिका को किस ओर ले जाना है? राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने कहा कि, इस चुनाव में बहुत कुछ दांव पर है, अब हम लोगों के सामने सवाल यह है कि, इस मोड़ पर हम अपने देश को किस ओर ले जाना चाहते हैं? लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि जब तक हम इसे बनाए रख सकते हैं, हममें से हर एक के पास इस सवाल का जवाब देने की शक्ति है। कमला हैरिस ने आगे कहा कि, हमारा अभियान इस बारे में है कि हम अमेरिकी के रूप में कौन हैं?

हॉलीवुड की कई हस्तियां इस कार्यक्रम में हुई शामिल कमला हैरिस के साथ किए गए इस को शो को यूनाइट फॉर अमेरिका नाम दिया गया था। इस कार्यक्रम का लाइवस्ट्रीम भी किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 400 दर्शक शामिल थे।

इसके अलावा इस कार्यक्रम में मशहूर हस्तियां बेन स्टिलर, जेनिफर लोपेज, ब्रायन क्रैंस्टन, क्रिस रॉक, ट्रेसी एलिस रॉस, जूलिया रॉबर्ट्स और मेरिल स्ट्रीप जैसी हस्तियां वर्चुअली शामिल हुई। गन कल्चर पर बोलीं कमला ओपेरा के इस शो के दौरान वोटर्स भी व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए। उनकी ओर से अमेरिका में प्रजनन नीति, स्कूल गोलीबारी समेत कई मुद्दे पर अपने अनुभव शामिल किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गन कल्चर पर कमला हैरिस ने कहा कि, मुझे लगता है कि बंदूक हिंसा के मुद्दे पर बहुत लंबे समय से कुछ लोग गलत जानकारी फैला रहे हैं। वे यह कहकर इसको आगे बढ़ा रहे हैं कि या तो आप दूसरे संशोधन के पक्ष में हैं या आप सभी की बंदूकें छीन लेना चाहते हैं। मैं दूसरे संशोधन के पक्ष में हूं, और मैं हमलावर हथियारों पर प्रतिबंध, रेड फ्लैग कानूनों के पक्ष में हूं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जो राजनेता काम के आधार पर चुनाव नहीं जीत सकते, वे जाति की बात करते हैं : गडकरी

पुणे। (एजेंसी)

देश में जाति को लेकर हो रही राजनीति के बीच केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बड़ा बयान दिया है। गडकरी ने पुणे में एक कार्यक्रम में कहा कि मैं पिछले कई सालों से राजनीति कर रहा हूं और समाज सेवा भी करता हूं। मैं राजनीति में अपने विश्वासों से कभी समझौता नहीं करता। इससे पहले गडकरी ने राजनीति में जाति के इस्तेमाल पर नाराजगी जताई थी और कहा था कि जो राजनेता अपने काम के आधार पर चुनाव नहीं जीत सकते, वे इस बारे में बात करते हैं।उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में कई जाति और धर्म के लोग मुझसे मिलने आए थे। मैंने खुले तौर पर कहा कि कोई भी व्यक्ति अपनी जाति या धर्म से महान नहीं होता है। व्यक्ति अपने गुणों से महान होता है। गडकरी ने आगे कहा कि हमारे संतों ने हमें सिखाया है कि समाज से जाति, धर्म, ऊंच-नीच के सभी भेदभाव को खत्म करना होगा और सामाजिक और आर्थिक समानता लानी होगी। इसलिए मैं किसी के दबाव में नहीं आता हूं। उन्होंने साफ कहा कि सभी का कल्याण होना चाहिए लेकिन चुनाव के दौरान जाति की बात तो बिल्कुल नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से हर किसी में खुद को पिछड़ा साबित करने की होड़ लगी हुई है। आज हमारी समस्या जाति और समुदाय की नहीं है-गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी है। सुशासन और सही नीतियों के आधार पर हम गरीबों, किसानों, गांवों में रहने वालों, हाशिये पर पड़े लोगों की सेवा कैसे कर सकते हैं, इसी पर हम काम कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्ष की जाति जनगणना की मांग में दम है, गडकरी ने इस सवाल का जवाब देने से साफ इनकार कर दिया कहा कि क्या ऐसी कवायद की जानी चाहिए या नहीं। गौरतलब है कि वरिष्ठ बीजेपी नेता नितिन गडकरी ने अपने संबोधन में यह भी दोहराया कि वह जाति-आधारित राजनीति में विश्वास नहीं करते हैं और न ही इसमें शामिल होते हैं। वह हमेशा लोगों के लिए काम करते रहे हैं और करेंगे, भले ही लोगों ने उन्हें वोट दिया हो या नहीं।

दक्षिण बंगाल में बाढ़ से प्रभावित लोगों को उचित सहायता राशि मिलनी चाहिए: ममता बनर्जी

कोलकाता । (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार दामोदर घाटी निगम के साथ सभी समझौते रद्द कर देगी, क्योंकि निगम द्वारा पानी छोड़े जाने से दक्षिण बंगाल के कई जिले बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा है कि दक्षिण बंगाल में आई बाढ़ की चपेट से 50 लाख लोग प्रभावित हुए। केंद्र सरकार को इस दिशा में प्रभावित लोगों की मदद के लिए उचित सहायता राशि देनी चाहिए। ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा` कि मैं आपका ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहती हूं कि दामोदर घाटी निगम के स्वामित्व और रखरखाव वाले मैथन और पंचेत बांधों से लगभग पांच लाख क्यूसेक की पानी अनियोजित तरीके से छोड़ा गया है। इसके चलते साउथ बंगाल के सभी जिले भयंकर बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। इससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने पत्र में कहा कि अगर एकतरफा पानी छोड़ा गया, तो राज्य के लोगों को दुश्वारियों का सामना करना पड़ेगा। ऐसी स्थिति में हमें डीवीसी से अपना सारा अनुबंध तोड़ना होगा। हमारे पास कोई विकल्प नहीं बचेगा। हम अपने लोगों को इस तरह से प्रभावित होने नहीं दे सकते हैं। लोअर दामोदर और आसपास के इलाकों में 2009 के बाद सबसे बड़ी बाढ़ आई है, इससे 1,000 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा क्षेत्र में बसे लगभग 50 लाख लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। उन्होंने बाढ़ के लिए डीवीसी को जिम्मेदार ठहराया और इसे मानव निर्मित बाढ़ कहा। सीएम ने चेतावनी देते हुए कहा कि राज्य सरकार डीवीसी से पूरी तरह से अलग हो जाएगी और अपनी भागीदारी वापस ले लेगी। मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा` कि मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि आप इस मामले पर गंभीरता से विचार करें और संबंधित मंत्रालयों को इन मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में हल करने का निर्देश दें, जिसमें सबसे अधिक पीड़ित लोगों के हित में कार्य करने के लिए पर्याप्त केंद्रीय धन की मंजूरी शामिल है।

मंदिरों का संचालन सरकार नहीं समाज करे : विहिप

-जयपुर में बजरंग दल की दो दिवसीय अखिल भारतीय बैठक शुरु

जयपुर। (एजेंसी)

बजरंग दल की दो दिवसीय अखिल भारतीय बैठक 21 और 22 सितंबर को जयपुर में शनिवार को शुरु हुई है। बैठक में देश के विभिन्न प्रांतों से सौ से अधिक प्रमुख कार्यकर्ता भाग लेने पहुंचे हैं। बैठक में भाग लेने पहुंचे विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि हिंदू मंदिरों का संचालन हिंदू समाज के द्वारा होना चाहिए, न कि सरकारों के द्वारा। जानकारी अनुसार इस दो दिवसीय बैठक का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज के मुद्दों पर चर्चा करना और संगठन को मजबूत करना है। बैठक में भाग लेते हुए विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने शनिवार को मीडिया से बात की और कहा कि तिरूपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में जानवरों की चर्बी वाले घी के मिलावट पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, कि यह घटना हिंदू समाज को अपमानित करने वाली है। जिन लोगों ने ऐसी सामग्री का उपयोग करने की साजिश रची है, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। इसी के साथ मिलिंद परांडे ने कहा कि मंदिरों का संचालन सरकार का काम नहीं होना चाहिए। उन्होंने मांग की कि देश के सभी मंदिरों का संचालन हिंदू समाज के हाथों में सौंपा जाए। उन्होंने कहा कि भारत के दक्षिण क्षेत्र में हजारों मंदिर सरकारी नियंत्रण में हैं, और उनकी संपत्तियों का प्रबंधन और उचित उपयोग नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार किसी भी दल की हो, हिंदू हितों के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। इस दो दिवसीय बैठक में

देशभर के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी, जिसमें धर्मांतरण, लव जिहाद और मंदिरों के प्रबंधन जैसे संवेदनशील विषय शामिल हैं। संगठन ने यह स्पष्ट किया है कि वह किसी भी स्थिति में हिंदू समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए तत्पर रहेगा।

मुकेश खन्ना का पान मसासा विज्ञापन पर तंज.....

पैसा दो और कुछ भी बुलवा लो

मुंबई । (एजेंसी)

महाभारत के भीष्मपिता उर्फ अभिनेता मुकेश खन्ना अक्सर अपने बड़बोलेपन के कारण सुर्खियां में रहते हैं। मुकेश खन्ना को अक्सर अभिनेताओं पर कटाक्ष करते दिखाई देते हैं। इसी कड़ी में उन्होंने पान मसाला से लेकर पैसा कमाने वाले रमी जैसे तमाम विज्ञापनों के बारे में बात की है। इसमें अजय देवगन से लेकर अक्षय कुमार, महेश मांजरेकर सहित अन्य स्टार्स पर तंज कसा है। उन्होंने पोस्ट शेयर कर एक साइड अजय देवगन पान मसाला के विज्ञापन में दिख रहे हैं और दूसरे साइड महेश मंजरेकर विज्ञापन कर रहे हैं। पोस्ट में लिखा, क्या विज्ञापन की दुनिया चकाचौंध की दुनिया, पैसों की दुनिया बन कर रह गई है? पैसा फेंक तमाशा देख! यही इसका आधार बन गया है? पैसा दो और कुछ भी बुलवा लो। उन्होंने लिखा, उनका जमीर, उनका दायित्व समाज के प्रति, युवाओं के प्रति नगण्य हो गया है। किसी भी चीज, किसी भी प्रोडक्ट के बारे में अच्छा बोलना चाहे वहां कितनी भी बुरी क्यों ना हो, उनका धर्म बन गया है?? क्योंकि उन्हें इस काम के लिए पैसा मिल रहा है!! पैसा पैसा पैसा!!! कितना कमाओगे पैसा!! इसके बावजूद कि ये आपके पास जरूरत से ज्यादा भी है। मुकेश ने कहा कि जी हां मैं बड़े बड़े स्टार्स की बात कर रहा हूं। विज्ञापन बनाने वाले मदारी बन गए हैं और कलाकार उनकी डुग डुगी पर बंदर नाच दिखा रहे हैं। फिर चाहे ये केसरिया आदाब क्यों ना हो, जंगली रमी क्यों ना हो, गुटका शराब क्यों ना हो। बिना प्रोडक्ट की विश्वसनीयता जांचे कुछ भी बोले चले जा रहे हैं ये लोग! क्यों? क्योंकि इसके लिए उन्हें बड़ी बड़ी रकमें दी जा रही हैं उनकी फीस के नाम पर।

पैलेस ऑन व्हील्स फिर दौड़ने को तैयार, सोने-चांदी से तैयार किए सुइट

-सुविधाओं में फाइव स्टार होटल भी फेल, किराया सुनकर उड़ जाएंगे होश

जयपुर। (एजेंसी)

राजस्थान की शाही ट्रेन पैलेस ऑन व्हील्स 25 सितंबर से फिर पटरियों पर दौड़ने को तैयार है। इस ट्रेन में कई बदलाव किए गए हैं। सबसे बड़ा बदलाव महाराजा रेस्टोरेंट में किया गया है। इसे शीश महल की तरह तैयार बनाया गया है। इसे उन्हीं कारीगरों ने तैयार किया, जिनके पूर्वजों ने आमेर का शीश महल बनाया था।वहीं, शीशमहल, गोल्डन थीम, दीवारों में चांदी और पीतल का काम। इसके आगे फाइव स्टार होटल फैल है। ट्रेन में महारानी रेस्टोरेंट को गोल्डन थीम पर सजाया गया है। जिम को बदलकर प्रेसिडेंशियल सुइट बनाया है। इसका 7 दिन का किराया 39 लाख रुपए है। हर डिब्बे में स्मोक डिटेक्टर लगाए गए हैं। राजस्थान पर्यटन विकास निगम की ओर से ट्रेन की पहली ट्रिप दिल्ली के सफदरगंज स्टेशन से शुरू होगी। इस बार शाही ट्रेन से करीब 30 विदेशी सैलानी राजस्थान की अलग-अलग विरासत को देख सकेंगे। पांच महीने बाद ट्रैक पर उतरी ट्रेन का शुक्रवार को

ट्रायल किया गया। पर्यटन निगम की प्रबंध निदेशक सुषमा अरोड़ा ने बताया कि पैलेस ऑन व्हील्स ट्रेन को 25 सितंबर को दिल्ली से शुरु किया जाएगा। यह ट्रेन एक सप्ताह तक राजस्थान के प्रमुख हेरिटेज सिटी को कवर करते हुए आगरा तक जाएगी। ट्रेन का हर साल रेनोवेशन किया जाता है। ट्रेन के शाही अंदाज और सुंदर और भव्य बनाने के लिए इसमें कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। ट्रेन में फायर सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए पूरे किचन को गैस की जगह इलेक्ट्रिफाइड किया गया है। अब गैस चूल्हे की जगह इलेक्ट्रिक चूल्हे पर खाना तैयार किया जाएगा।

चार धाम यात्रा ने फिर पकड़ी रफ्तार, अब तक 35 लाख से ज्यादा श्रद्धालु कर चुके हैं दर्शन

देहरादून। (एजेंसी)

इस साल 10 मई को शुरू हुई चार धाम यात्रा को राज्य में आई आपदा के कारण कुछ समय के लिए स्थगित करना पड़ा था, लेकिन अब यात्रा ने दोबारा गति पकड़ ली है। जैसे-जैसे मौसम साफ हो रहा है, चार धाम में श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, 21 सितंबर तक 35 लाख से अधिक श्रद्धालु चार धाम यात्रा कर चुके हैं। इस साल अब तक बद्रीनाथ धाम में 9,89,282 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं, जबकि केदारनाथ धाम में 11,45,897 श्रद्धालु पहुंचे हैं। गंगोत्री धाम में 6,07,592 श्रद्धालु और यमुनोत्री धाम में 5,83,455 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। इसके अलावा, हेमकुंड साहिब में भी 1,66,503 श्रद्धालु पहुंचे हैं। चारधाम यात्रा के लिए अब तक 60 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। पिछले साल, 72 लाख तीर्थयात्रियों ने यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था, जबकि साल 2023 में कुल 56 लाख श्रद्धालुओं ने चार धाम के दर्शन किए थे। आपदा के बाद यात्रा में कमी आई थी, लेकिन अगस्त से श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इस साल यात्रा के

लिए अब तक 60 लाख तीर्थयात्रियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जबकि पिछले साल 72 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। वर्ष 2023 में कुल 56 लाख तीर्थयात्रियों ने चार धाम यात्रा की थी। उत्तराखंड सरकार ने श्रद्धालुओं के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं से लेकर पेयजल, ठहरने, और खाने-पीने की समुचित व्यवस्थाएं की हैं। यात्रा मार्ग पर पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था की गई है और तीर्थयात्रियों के ठहरने के लिए भी प्रबंध किए गए हैं। सरकार ने मानसून सीजन में यात्रा के दौरान आने वाली समस्याओं से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन और पर्यटन विभाग के बीच समन्वय स्थापित किया है। सभी जिलों को एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) भेजी गई है ताकि यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। चार धाम यात्रा उत्तराखंड के धार्मिक और पर्यटन दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है, और राज्य सरकार श्रद्धालुओं को हर संभव सुविधा देने के लिए तत्पर है।

भारत में होना था क्वाड सम्मेलन, कुछ नेताओं के कारण अमेरिका कर रहा मेजबानी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

पीएम नरेंद्र मोदी के वाड शिखर सम्मेलन में शामिल होने तीन दिवसीय यात्रा पर शनिवार को अमेरिका रवाना हो गए। इस दौरान पीएम मोदी कई अन्य कार्यक्रमों में भी शिरकत करेंगे। अमेरिका के वाड शिखर सम्मेलन की तैयारी में जुटा है, जबकि यह सम्मेलन अमेरिका नहीं, बल्कि भारत में होना था, लेकिन कुछ नेताओं ने इसकी अनुमति नहीं दी। ऐन वक्त पर इसकी मेजबानी अमेरिका को सौंप दी गई। नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल में ईस्ट एशिया और ओशिनिया की और से भारत में के वाड शिखर सम्मेलन का आयोजन नहीं किए जाने की वजह बताते हुए कहा कि जब हमने कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा को विस्तारपूर्वक समझा, तो पता लगा कि इस साल अमेरिका इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए सही जगह होगी। कार्यक्रम में शामिल होने वाले नेताओं ने इसकी अनुमति नहीं दी, जिसे देखते हुए हमें पूरी योजना बदलनी पड़ी। इसके बाद अमेरिका में यह सम्मेलन करने का फैसला लिया गया। जो बाइडन प्रशासन ने इस बारे में बताया कि इस साल क्वाड सम्मेलन अमेरिका में हो रहा है। हालांकि, यह कार्यक्रम में भारत में ही होना था लेकिन अगले साल के वाड सम्मेलन भारत में होगा।

पीएम नरेंद्र मोदी अपने तीन दिवसीय अमेरिकी दौरे के दौरान कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। 21 सितंबर को डेलवेयर के विलमिंगटन में के वाड लीडर्स समिट में शामिल होंगे। इसकी मेजबानी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन करेंगे। 22 सितंबर को पीएम मोदी न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय के लोगों से मुखातिब होंगे।क्वाड लीडर्स समिट कार्यक्रम में आस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी

अल्बनीज और उनके जापानी समकक्ष फुमियो किशिदा भी शामिल होंगे। 2004 में जब हिंद महासागर में सुनामी आई थी, तो बड़े पैमाने पर तटीय देश प्रभावित हुए थे। इसके बाद, भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने तटीय प्रभावित देशों की मदद करने का कदम उठाया था। 2007 से लेकर 2010 के बीच के वाड शिखर सम्मेलन की बैठक हुई। इसके बाद बैठक बंद हो गई। इस बीच, चीन ने ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बनाया, इसका नतीजा हुआ कि ऑस्ट्रेलिया ने इस संगठन से दूरियां बना ली।

मोबाइल ने युवाओं को बनाया डिजिटल डिमेंशिया बीमारी का मरीज

5 घंटे से ज्यादा मोबाइल का उपयोग, आलसी हो रहे हैं युवा

भोपाल । (एजेंसी)

मोबाइल फोन और डिजिटल क्रांति ने सबसे ज्यादा नुकसान युवाओं का किया है। डिजिटल क्रांति के कारण युवाओं की पढ़ाई, खाना, सोना इत्यादि गड़बड़ा गया है। खर्च करने, कर्ज लेने, ऑनलाइन शॉपिंग की आदत बढ़ गई है। मोबाइल के अधिक उपयोग करने से युवा डिजिटल डाइमेंसिया नामक बीमारी के शिकार होने लगे हैं। डिजिटल उपकरणों के ज्यादा उपयोग से यह मानसिक बीमारी युवाओं में हो रही है। युवाओं का मानसिक स्तर गिरावट की ओर है। युवाओं की एकाग्रता खत्म हो रही है। याददाश्त और नई चीजों को सीखने की क्षमता भी प्रभावित हो रही है। भोपाल में किए गए सर्वे के अनुसार 1 दिन में युवा कम से कम 4 से 5 घंटे मोबाइल फोन का उपयोग करता है। 20 से 40 साल की उम्र के लोग मोबाइल में सबसे ज्यादा टाइम बिता रहे हैं। डॉक्टर सत्यकांत त्रिवेदी के अनुसार मोबाइल से निकलने वाले रेडिएशन मस्तिष्क के बेसिक यूनिट के न्यूरान को प्रभावित कर रहे हैं। डॉक्टर की सलाह है, डिजिटल युग में खाली समय में युवा सोशल मीडिया देखना ज्यादा

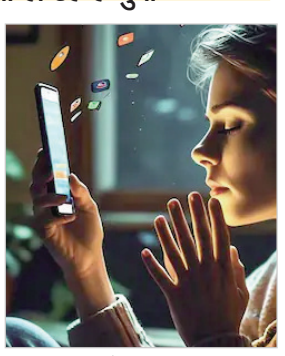

पसंद करते हैं। इसके स्थान पर खाली समय में आसपास मौजूद लोगों से बात करने,रचनात्मक कार्य करने से इस बीमारी के दुष्परिणामों से बचा जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा और झामुमो का शक्ति प्रदर्शन

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव का समय अब करीब आ रहा है, इसे देखते हुए सभी राजनीतिक दल जीत सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं। एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में बदलाव लाने का दावा कर परिवर्तन यात्रा निकाली है तो वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा ने पलटवार करते हुए कल्पना सोरेन के नेतृत्व में मंईयां सम्मान यात्रा की योजना बना ली है, जिसकी शुरुआत पलामू से होने की संभावना जताई जा रही है। झामुमो की सीनियर नेत्री और सांसद जोबा मांझी ने इस यात्रा की जानकारी देते हुए कहा कि यह यात्रा झारखंड की बेटियों को सम्मान देने और उनके सुरक्षित भविष्य के लिए आयोजित की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि केवल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ही इस दिशा में गंभीरता से सोच रहे हैं। जोबा मांझी के मुताबिक, इस यात्रा में लाखों की संख्या में बहनें और बेटियाँ शामिल होंगी। यहां बताते चलें कि शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोहराय भवन में पलामू और कोल्हान प्रमंडल के झामुमो नेताओं के साथ बैठक की, जिसमें मंईयां सम्मान यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया। यह कदम झामुमो द्वारा भाजपा के खिलाफ एक सशक्त प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है, और यह स्पष्ट कर रहा है कि चुनावों के लिए दोनों दलों की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। दोनों ही दल शक्ति प्रदर्शन करने में लगे हुए हैं।

नर्सिंग छात्रा की संदिग्ध मौत, परिवार ने हत्या का लगाया आरोप

पटना। गुरुदेव पारा मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में एक 22 वर्षीय नर्सिंग छात्रा की मौत ने सुसाइड और मर्डर के बीच गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस और कॉलेज प्रबंधन इसे आत्महत्या बता रहे हैं, जबकि मृतका के परिवार ने हत्या का आरोप लगाते हुए कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ केस दर्ज कराया है। मृतका नालंदा के इस्लामपुर की रहने वाली थी। मृतका का शव 8 सितंबर को खाजेकलां थाना क्षेत्र के गुरुगोविंद सिंह अस्पताल स्थित लिच्छवी नर्सिंग गर्ल्स हॉस्टल में संदिग्ध हालत में फंदे से लटका हुआ मिला था। इस मामले में छात्रा की मां का दावा है कि उनकी बेटी की रेप के बाद हत्या की गई है। उन्होंने कहा, कि घटना के दो घंटे पहले मैंने अपनी बेटी से बात की थी। वह बहुत खुश थी और कुछ दिन पहले कॉलेज के प्रोग्राम में भी उसने हिस्सा लिया था। अचानक ऐसा क्या हुआ कि मेरी बेटी ने खुदकुशी कर ली? इस मामले में कॉलेज प्रबंधन का हाथ है। वहीं दूसरी तरफ कॉलेज प्रबंधन इसे आत्महत्या बता रहा और कह रहा है कि छात्रा का अपने बॉयफ्रेंड से झगड़ा हुआ था, जिससे वह मानसिक तनाव में थी। इसके विपरीत परिवारजन कह रहे हैं कि ऐसी कोई स्थिति नहीं थी जो उसे आत्महत्या की ओर प्रेरित करे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि वह इस दिशा में सभी पहलुओं को ध्यान में रखे हुए है। छात्रा के परिवार ने न्याय की गुहार लगाई और कॉलेज प्रबंधन की भूमिका की जांच की मांग की है। इस घटना ने कॉलेज परिसर के माहौल, प्रबंधन और नर्सिंग की शिक्षा पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अनेक छात्राओं ने चिंता जाहिर की है।

बदमाशों ने बीच सड़क पर सब्जी विक्रेता को मारी गोली, इलाके में दशहत

पटना। पटना में शनिवार सुबह-सुबह अपराधियों ने बीच सड़क पर आतंक मचाया और अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। एक सब्जी विक्रेता को पेट में गोली मार दी। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। घायल सब्जी विक्रेता की पहचान गुड्डू यादव (40) के रुप में हुई है। गुड्डू मुसल्लहपुर हाट में सब्जी बेचने का काम करता है। जानकारी के मुताबिक गुड्डू यादव शनिवार सुबह करीब 6-30 बजे बच्चों को स्कूल छोड़ने जा रहे थे। इस बीच बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। बीच सड़क पर गोलीबारी से आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गुड्डू को गोली क्यों मारी गई, इसका पता अभी नहीं चल सका है। घटना पीरबहोर इलाके की है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस का कहना है कि घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। जांच के बाद ही पता चलेगा कि मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा है या कुछ और बात है।

दिल्ली में वक्फ बोर्ड और मंदिर ट्रस्ट में ठनी, सियासत गर्माई

नई दिल्ली। दिल्ली में वक्फ बोर्ड ने छह मंदिरों की जमीन पर दावा पेश किया, जिसके बाद सियासत गर्मा गई है। दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग की 2019 की रिपोर्ट में कहा गया है कि उक्त मंदिर वक्फ बोर्ड की जमीन पर बने हैं। हालांकि, मंदिर प्रशासन इन दावों को सिरे से खारिज कर रहा है। उनका कहना है कि ये मंदिर वक्फ बोर्ड के गठन से पहले से मौजूद हैं।इस विवाद का मुख्य केंद्र बीके दत्त कॉलोनी में स्थित सनातन धर्म मंदिर है, जहां मंदिर के ट्रस्टी मदन भूटानी का कहना है, कि इस जमीन को भारत सरकार से 1958 में खरीदा गया था। उन्होंने बताया कि मंदिर का शिलान्यास 1961 में हुआ था, जिसे तत्कालीन मंत्री ने किया था। भूटानी का कहना है, कि हम पहली बार वक्फ का दावा जैसी बात सुन रहे हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड को इस मामले में भारत सरकार से बात करनी चाहिए। हमारे पास जमीन के सभी कानूनी दस्तावेज मौजूद हैं। यह मामला इस समय देशभर में चल रहे वक्फ एक्ट पर जारी बहस के बीच आया है। राजनीतिक स्तर पर भी इस मुद्दे ने गरमा-गर्मी पैदा कर दी है। वक्फ बोर्ड का कहना है कि यह मुद्दा धार्मिक स्थानों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, जबकि मंदिर प्रशासन इसे अन्यायपूर्ण और पक्षपाती बता रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वलसाड पुलिस ने चार आरोपियों, ४.५५ करोड़ रुपये नकद, और उनकी कार को सूरत पुलिस के हवाले किया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के रांदेर इलाके में एक बुजुर्ग व्यापारी, जो अपने ब्लैक मनी को व्हाइट करने की कोशिश कर रहे थे, लूटपाट का शिकार हो गए। चार लोगों ने व्यापारी के पैसे से भरे थैले छीन लिए और एक इनोवा कार में फरार हो गए। साथ ही, दो बिचौलियों श्रीकांत और शैलेन्द्र को भी जबरन कार में बिठाकर ले जाया गया। हालांकि, वलसाड LCB की टीम ने ४५ मिनट के अंदर ही चार आरोपियों को फिल्मी अंदाज में पीछा करते हुए पकड़ लिया। वलसाड पुलिस ने चार आरोपियों, ४.५५ करोड़ रुपये नकद, और उनकी कार को सूरत पुलिस के हवाले किया।

सूरत क्राइम ब्रांच के डिप्टी कमिश्नर भावेश रोजिया ने बताया कि ५ करोड़ रुपये की लूट का मामला ३ घंटे के भीतर ही सुलझा लिया गया। दो आरोपियों को पकड़ा गया और ४.५४ करोड़ रुपये भी बरामद किए गए। वहीं, कुछ आरोपियों की कार का एक्सीडेंट हो गया, जिसमें तीन घायल हो गए और अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। इस मामले में आयकर और प्रवर्तन निदेशालय (ED) को भी सूचित किया जाएगा, क्योंकि यह ब्लैक मनी से जुड़ा मामला है।

पुलिस ने छानबीन के दौरान पाया कि व्यापारी हरीशभाई वाकावाड़ा, जो लूम्स के कारोबारी हैं, अपने पांच करोड़ रुपये को व्हाइट करने के लिए दो बिचौलियों से मिले थे। वे आरटीजीएस के जरिए व्हाइट एंट्री पाने वाले थे, लेकिन लूटपाट हो गई। आरोपी श्रीकांत और शैलेन्द्र भी इस गिरोह का हिस्सा निकले।

सूरत क्राइम ब्रांच के डीसीपी भावेश रोजिया ने जानकारी दी कि ५ करोड़ रुपये की लूट के मामले को ३ घंटे के भीतर सुलझा लिया गया है। इसमें ४.५४ करोड़ रुपये भी बरामद किए गए हैं। दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और तीन अन्य आरोपी, जो दुर्घटना में घायल हो गए थे, को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनमें से दो को डिस्चार्ज कर दिया गया और उन्हें हिरासत में ले लिया गया है, जबकि एक की हालत गंभीर होने के कारण उसे वलसाड से सूरत सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके साथ ही चार और आरोपी फरार हैं, जिन्हें पकड़ने के लिए नाकाबंदी और सर्विलांस की सहायता ली जा रही है।

आयकर विभाग (IT) और प्रवर्तन निदेशालय (ED) को इस ब्लैक मनी मामले की जानकारी दी जाएगी। व्यापारी ने लूट के ३५ मिनट बाद पुलिस को सूचित किया, जिससे पुलिस जल्द ही कार्रवाई कर पाई। व्यापारी नौ लोगों में से केवल शैलेन्द्र को पहचानते थे, जिसका पहले अपहरण हुआ बताया जा रहा था, लेकिन वह भी इस गैंग का हिस्सा निकला।

वलसाड पुलिस ने चारों आरोपियों को पकड़ने के लिए मुख्य मार्गों पर नाकाबंदी की थी। उन्होंने आरोपियों की कार का पीछा करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से ४.५४ करोड़ रुपये और कार जब्त की गई।

सूरत के रांदेर इलाके में रहने वाले हरीशभाई वाकावाड़ा लूम्स का कारोबार करते हैं और उनके पास घर में ५ करोड़ रुपये नकद थे, जो उन्हें एक जमीन के सौदे में मिले थे।

**कारोबारी को जमीन के सौदे से मिले करोड़ों रुपये: **

वृद्ध कारोबारी ने भी लुटेरों का पीछा किया था, लेकिन लुटेरे "धूम स्टाइल" में भागने में सफल रहे। घटना की जानकारी मिलते ही डीसीपी, एसीपी, क्राइम ब्रांच, और रांदेर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। आरोपियों ने श्रीकांत को पलसाणा में छोड़ दिया था, जहां से पुलिस ने उसे हिरासत

गिरफ्तार आरोपी:

१. कयुमपासा गुलाब उस्मान शेख (३४ वर्ष) - बीवंडी, महाराष्ट्र
२. शैलेन्द्रसिंह कंझुबिहारी रामदुलारे सिंह (५२ वर्ष) - मुंबई, महाराष्ट्र
३. दीपक ठकिया वैती - थाणे, महाराष्ट्र
४. शैलेश गौतम गायकवाड़ - बीवंडी, महाराष्ट्र
५. राहुल भाई भोइर - मुंबई

लूट और आरोपियों की गिरफ्तारी तक की घटना क्रम:

- **२:३० बजे:** सूरत के रांदेर के ताडवाड़ी में जिला पंचायत सोसाइटी के पास ६ लोग ५ करोड़ रुपये लेकर कार में भाग गए।
- **३:३० बजे:** ६४ वर्षीय व्यापारी हरीश वांकावाला ने कंट्रोल रूम को सूचना दी, और पुलिस को तुरंत सूचित किया गया। क्राइम ब्रांच समेत पुलिस की टीम सक्रिय हो गई।
- **३:४५ बजे:** क्राइम ब्रांच, एसओजी और स्थानीय पुलिस की ६ टीमें बनाई गईं। कुल १०० से ज्यादा पुलिसकर्मियों को इस ऑपरेशन में शामिल किया गया। शहर के अलग-अलग इलाकों में नाकाबंदी की गई और ५० से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई।
- **३:४५ बजे:** सूरत कंट्रोल रूम ने कार नंबर और संदिग्धों का विवरण देकर वलसाड, नवसारी, भरूच और करजन पुलिस को नाकाबंदी करने के लिए अलर्ट किया।
- **४:०० बजे:** क्राइम ब्रांच की एक टीम नवसारी और एक टीम करजन की ओर रवाना हुई।
- **६:०० बजे:** भिलाड चेकपोस्ट के पास नाकाबंदी में पुलिस को देखते ही एक इनोवा ने यू-टर्न लिया। इनोवा और उसमें सवार संदिग्धों का विवरण कंट्रोल रूम से मेल खाता था, जिससे पुलिस ने उनका पीछा किया।
- **६:१५ बजे:** लुटेरे पारडी के पलसाणा गंगाजी रोड की तरफ भागे। पलसाणा मंदिर के पास, वे रावरा फलिया की ओर भागे, लेकिन सड़क खत्म होने पर उन्होंने कार वहीं छोड़ दी।
- **६:३० बजे:** लुटेरे ८ बैग नकद पैसे लेकर वाडी क्षेत्र की ओर भागे, लेकिन भारी वजन के कारण वे ज्यादा दूर नहीं भाग सके और दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया।
- **६:३० बजे:** पुलिस पीछा करते हुए भिलाड चेकपोस्ट से आगे निकली। अन्य तीन लुटेरों की कार एक कंटेनर से टकरा गई, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इन आरोपियों से चार करोड़ रुपये से अधिक की नकदी जब्त की गई है।

सूरत में वकील-पुलिस की दुर्व्यवहार के मामले में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद के पुलिस निरीक्षक (PI) ने आरोप लगाया कि वकील ने पंचनामे की कार्यवाही में बाधा डाली, जबकि वकील ने पुलिस पर दुर्व्यवहार और मारपीट का आरोप लगाया।

सूरत में एक और वकील पर पुलिस की दबंगई का मामला सामने आया है। अहमदाबाद साइबर क्राइम के PI सहित चार पुलिसकर्मियों ने सरथाणा में जांच के नाम पर आकर वकील को अपशब्द कहे, धक्का दिया और मारपीट की। इस घटना के बाद वकील ने सरथाणा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। अब इस मामले में नया मोड़ आया है, अहमदाबाद साइबर क्राइम के PI ने वकील और उसके दोस्त के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया है। इस दौरान वकील ने कहा कि पुलिस सुरक्षा के लिए होती है, अगर वही अत्याचार करेगी तो लोग कहां जाएंगे? हमारा देश लोकतांत्रिक है, राजशाही नहीं। PI ने वकील के खिलाफ हमले और सरकारी कार्य में बाधा की शिकायत दर्ज की है। सरथाणा जकातनाका के पास स्थित टाइम्स शॉपर्स नामक कॉम्प्लेक्स में एडवोकेट नरेंद्र सौरठिया और उनके दोस्त योगेश मुझपारा अपने क्लाइंट से मिलने गए थे। इस समय अहमदाबाद साइबर क्राइम PI मकवाणा युवक से पूछताछ कर रहे थे। वकील ने अपनी पहचान बताई और उनसे बात करने की कोशिश की, लेकिन PI मकवाणा ने वकील नरेंद्र सौरठिया और उनके दोस्त पर हमला कर दिया। इसके बाद नरेंद्र सौरठिया ने साइबर क्राइम PI मकवाणा और उनके तीन अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद, अहमदाबाद साइबर क्राइम PI को घटना की जानकारी मिलते ही वे सूरत आए और उन्होंने भी सरथाणा पुलिस स्टेशन में नरेंद्र सौरठिया, योगेश मुझपारा और तीन-चार अन्य लोगों के खिलाफ सरकारी कर्मी पर हमले और सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज कराया।

वकील ने कहा कि वह सिर्फ अपने दोस्त की मदद करने गए थे। उनके दोस्त के पिता ने बताया था कि अहमदाबाद पुलिस आई है और साइबर क्राइम का मामला है, लेकिन वे कोई जवाब नहीं दे रहे हैं, तो आप आकर बात करें। जब वकील वहां पहुंचे और बात करने की कोशिश की, तब अहमदाबाद साइबर क्राइम के PI मकवाणा और उनके तीन साथियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

वकील ने यह भी बताया कि जब सरथाणा पुलिस आई, तो उनके साथ भी गलत व्यवहार किया गया। इस घटना के बाद वकील ने अहमदाबाद साइबर क्राइम के PI मकवाणा और उनके तीन अन्य साथियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। PI मकवाणा की ओर से दर्ज की गई शिकायत में कहा गया है कि पंचनामा की कार्रवाई के दौरान वकील और उसके दोस्त ने बाधा उत्पन्न की।

"खेलेंगे जीतेंगे कुछ करके दिखाएंगे" गेम शो का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा शनिवार को "खेलेंगे जीतेंगे कुछ करके दिखाएंगे" गेम शो का आयोजन सिटी लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के वृंदावन हॉल में किया गया. गेम शो में मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर चेता पीनाक देसाई (डायरेक्टर ऑफ़ भगवान महावीर कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट स्टडीज) उपस्थित रहीं. महिला शाखा अध्यक्ष सोनिया गोयल ने बताया की गेम शो में अलग-अलग प्रकार के गेम आयोजित किए गए, जिसमें खिलाड़ियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया. इसके अलावा उपस्थित लोगों ने भी आयोजन में कई गेम खेले. इस मौके पर महिला शाखा की रुचिका रुंगटा, सरोज अग्रवाल, प्रीति गोयल, शालिनी चौधरी, वीणा जैन, रितु गोयल, सपना तुलस्यान, पिंकी अग्रवाल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं.

आचार्य पद उपकार के प्रति कृतज्ञता का समर्पण : आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के चतुर्मासकाल का दो महीने पूर्ण हो चुके हैं. आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. सन्निधि में अभी भी श्रद्धालुओं के पहुंचने का तांता लगा ही हुआ है. देश के विभिन्न क्षेत्रों से संघबद्ध रूप दर्शन और सेवा में उपस्थित हो रहे हैं. इससे पूरा चतुर्मास परिसर गुलजार बना हुआ है. शहर के पाल में श्री कुशल कांति खरतरगच्छ जैन श्री संघ पाल स्थित श्री कुशल कांति खरतरगच्छ भवन में युग दिवाकर खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. शनिवार २१ सितंबर को प्रवचन में जिज्ञासा का समाधान किया गया. चार आचार्य को दादा गुरुदेव क्यों कहा गया? इस प्रश्न का समाधान करते हुए आचार्यश्री ने बताया कि आचार्य विधि विधान के साथ अर्पण किया जाने वाला पद है. इसके पीछे का कारण जिम्मेदारी है। पद उनकी प्रतिष्ठा का कारण नहीं होता, लेकिन एक जिम्मेदारी है. शासन को संभालना होता है. आचार्य का कार्य क्षेत्र अलग है, उपाध्याय का कार्यक्षेत्र अलग है, गणि का कार्यक्षेत्र अलग है. दादा गुरुदेव ऐसा पद नहीं है, जिसमें सकल संघ का हृदय का अपार प्रेम है. उपकार के प्रति कृतज्ञता का समर्पण है. चारों दादा गुरुदेवों के उपकार अपार असीम है, अनंत है. दादा में अपनत्व है. इसमें भावों का झरणा है. पूरे भारत में हर तीर्थ पर दादा गुरुदेव विराजमान है. बोध प्रतिबोध का अर्थ समझाते हुए आचार्यश्री ने कहा कि बोध हमारी क्रिया है, प्रतिबोध आपका अनुसरण है. संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश मंडोवरा और युवा परिषद के अध्यक्ष मनोज देसाई ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि श्री कुशल कांति खरतरगच्छ भवन में पाल में संघशास्ता वर्षावास राष्ट्रीय अधिवेशन आचार्य जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी के पावन निश्रा में २७ और २८ सितंबर को होगा.

सेवा के साथ साधना ही हो सेवा साधक श्रेणी की पहचान : आचार्यश्री महाश्रमण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जन-जन को सन्मार्ग दिखाने वाले जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशमाधिशास्ता, युगप्रधान आचार्यश्री की मंगल सन्निधि तथा अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के तत्त्वावधान में शुक्रवार को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के ४९वें राष्ट्रीय अधिवेशन 'संरक्षणम्' का शुभारम्भ हुआ. इस शुभारम्भ सत्र का आयोजन महावीर समवसरण में किया गया, जिसमें गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. उन्होंने मंचासीन आचार्यश्री को वंदन कर पावन आशीर्वाद प्राप्त करने के उपरान्त अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के शुभारम्भ सत्र में समुपस्थित महिला शक्ति को संबोधित करते हुए सशक्त महिला शक्ति के जागरण व विकास की बात कही. शनिवार को महावीर समवसरण में आयोजित मुख्य प्रवचन कार्यक्रम में समुपस्थित जनमेदिनी को शांतिदूत आचार्यश्री महाश्रमणजी ने 'आयारो' आगम के माध्यम से पावन प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि दो शब्द हैं-अनुश्रोत और प्रतिश्रोत. संसार के प्रवाह में बहना, इन्द्रिय विषयों में आसक्त रहना अनुश्रोत तथा त्याग, संयम और साधना के पथ पर चलना प्रतिश्रोतगामिता होती है.